राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 05 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–254 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा ने बंगाल की आवाज को दबाने में सभी हदें पार की-ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया, अब केंद्र सरकार बंगाल की आवाज को दबाने के लिए सभी हदें पार कर चुकी है। सुश्री बनर्जी ने मंगलवार रात सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, आज लोकतंत्र के लिए एक काला, भयावह दिन है, एक ऐसा दिन जब भाजपा ने बंगाल के लोगों के प्रति अपने तिरस्कार, गरीबों के अधिकारों की उपेक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के पूर्ण परित्याग का खुलासा किया। उन्होंने कहा, सबसे पहले, निर्दयतापूर्वक बंगाल के गरीबों के लिए महत्वपूर्ण धनराशि रोक दी और जब हमारा प्रतिनिधिमंडल शांतिपूर्वक विरोध करने और हमारे लोगों की दुर्दशा पर ध्यान आकर्षित करने के लिए दिल्ली पहुंचा, तो उनके साथ पहले राजघाट पर और फिर कृषि भवन में क्रूरता की गई। मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा की मजबूत भुजा के रूप में कार्य करते हुए दिल्ली पुलिस ने बेशर्मी से हमारे प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार किया, जिन्हें जबरन हटा दिया गया और आम अपराधियों की तरह पुलिस वैन में ले जाया गया, क्योंकि उन्होंने सत्ता के सामने सच बोलने का साहस किया। सुश्री बनर्जी ने कहा, उनके अहंकार की कोई सीमा नहीं है और उनके अभिमान और अहंकार ने उन्हें अंधा कर दिया है।

केन-बेतवा परियोजना स्वीकृत, बदलेगी बुंदेलखंड की तस्वीर-शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज बताया कि केन-बेतवा परियोजना स्वीकृत हो गई है और इससे बुंदेलखंड की तस्वीर बदल जाएगी। चौहान ने अपना बयान जारी करते हुए कहा कि विकास की दौड़ में बुंदेलखंड पिछड़ गया था। सरकार ने बहुत से काम किए, लेकिन पानी की जरूरत थी। केन-बेतवा परियोजना स्वीकृत हो चुकी है। ये बुंदेलखंड की तकदीर और जनता की तस्वीर बदलने का काम करेगी। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट किया।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इससे 10 लाख 62 हज़ार हेक्टेयर में सिंचाई होगी और 62 लाख लोगों को पीने का पानी मिलेगा।

इसे पश्चाताप नहीं मानेंगे; राहुल गांधी की सेवा पर भी नहीं पिघला एसजीपीसी, दादी और पिता की दिलाई याद

राहुल गांधी के स्वर्ण मंदिर जाकर मत्था टेकने और सेवा करने पर भी एसजीपीसी नहीं पिघला है और 1984 की याद दिलाकर हमला बोला है। एसीजीपीसी ने कहा कि राहुल ने अपनी दादी और पिता के बारे में कभी कुछ नहीं कहा।

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमृतसर के स्वर्ण मंदिर जाने को लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। पवित्र गुरुद्वारे में राहुल गांधी के लंगर खाने और सेवा करने का कई सिख स्कॉलर्स ने स्वागत किया है। लेकिन शीर्ष संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने उनकी विजिट का विरोध किया है। एसजीपीसी के जनरल सेक्रेटरी हरचरण सिंह ग्रेवाल ने कहा, %राहुल गांधी की दादी ने अकाल तख्त पर हमला कराया था। उनके पिता ने दिल्ली में सिखों पर हुए अत्याचारों को यह कहते हुए सही ठहराया था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। किसी की भी तरफ से सिखों के जख्म सहलाने की कोशिश नहीं की गई। क्या हम उनकी विजिट को पश्चाताप मान सकते हैं?

उन्होंने पूछा, क्या राहुल गांधी उन कांग्रेस नेताओं पर कुछ कहेंगे, जो सिखों पर हुए हमलों में शामिल थे। वे अब भी कांग्रेस की बैठकों में शामिल होते हैं। अपने पिता के हत्यारे से मिलने के लिए प्रियंका गांधी जेल तक गई थीं। लेकिन वह कभी दिल्ली में जाकर विधवा कॉलोनी में रहने वाली महिलाओं से नहीं मिलीं। ऐसा क्यों? इस तरह एसजीपीसी ने राहुल गांधी की विजिट पर राजनीतिक हमला बोला, लेकिन सिख समुदाय के कई स्कॉलर्स ने इसे गलत ठहराया। लेख अजमेर सिंह ने कहा कि कांग्रेस के साथ हमारे वैचारिक मतभेद रहे हैं। लेकिन यह सनक नहीं होनी चाहिए। यह मानवीय मसला है। शायद राहुल गांधी को उस बात पर अफसोस हो, जो किसी दौर में हुआ था।

अजमेर सिंह ने कहा कि एसजीपीसी को राहुल गांधी पर इस तरह अटैक नहीं करना चाहिए। यदि वह पॉलिटिकल विजिट पर आते तो बात अलग थी। वह तो एक श्रद्धालु के तौर पर आए थे और गुरु के दर पर सभी का स्वागत है। उन्होंने कहा कि शिरोमणि अकाली दल ने तो भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को भी बुलाया था। जबकि उन्होंने अकाल तख्त पर हमला करने

की मांग की थी। बता दें कि राहुल गांधी गुरुद्वारे पहुंचे तो वहां महिलाओं के बीच बैठकर सब्जी काटी थी। इसके अलावा जोड़ा घर में जाकर भी सेवा की थी। राहुल गांधी के इस व्यवहार की काफी तारीफ भी की जा रही है।

यही नहीं अकाली दल के दिल्ली यूनिट के प्रदेश अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना ने भी राहुल गांधी की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मैं उनके सद्भाव का सम्मान करता हूं। उन्होंने कहा कि एसजीपीसी को इस मामले में पहला बयान नहीं देना था। उन्होंने कहा कि सिखों के इतिहास से भी समझना चाहिए। जहांगीर ने गुरु अर्जन देव की हत्या कराई थी। लेकिन बाद में गुरु हरगोबिंद सिंह ने उसके साथ भी अच्छे रिश्ते रखे थे। यही नहीं किसी के पूर्वजों की गलतियों के लिए उसको ब्लेम करना भी सिखों की परंपरा नहीं रही है।

उन्होंने पूछा, क्या राहुल गांधी उन कांग्रेस नेताओं पर कुछ कहेंगे, जो सिखों पर हुए हमलों में शामिल थे। वे अब भी कांग्रेस की बैठकों में शामिल होते हैं। अपने पिता के हत्यारे से मिलने के लिए प्रियंका गांधी जेल तक गई थीं। लेकिन वह कभी दिल्ली में जाकर विधवा कॉलोनी में रहने वाली महिलाओं से नहीं मिलीं।

आगामी चुनावों में हार की आशंका से बौखलाए मोदी-गोपाल राय

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आने वाले चुनावों में हार मिलने वाली है इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बौखलाहट में संजय सिंह के घर छापेमारी करवा रहे हैं।

श्री गोपाल राय ने आज कहा कि संजय सिंह के घर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी इसलिए हो रही है कि इस देश के हर सर्वे में बताया जा रहा है कि आगामी चुनावों में भाजपा हार रही है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी इसी बौखलाहट में कार्रवाई करवा रहे है।

उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में इस मामले को लेकर एक हज़ार जगहों पर छापेमारी की गई। ईडी और केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बहुत लोगों को गिरफ़्तार किया और उनको प्रताड़ित किया लेकिन आजतक किसी के पास से एक चवन्नी नहीं मिली। उन्होंने कहा कि संजय सिंह के घर से भी कुछ नहीं मिलने वाला है।

आप नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सांसद संजय सिंह के आवास पर ईडी की छापेमारी पर कहा कि यह ऐसा काल्पनिक घोटाला है जिसमें पिछले 15 महीने से छान-बीन चल रही है। कम से कम एक हज़ार जगहों पर ईडी और सीबीआई छापेमारी कर चुकी है लेकिन कहीं से भी एक रुपया बरामद नहीं हुआ। संजय सिंह के घर से भी कुछ नहीं मिलने वाला है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ़ और सिर्फ़ चुनाव हार रही यह उसी की हताशा है। प्रधानमंत्री की कोशिश है कि किसी भी तरह फिर से प्रधानमंत्री बन जाये लेकिन आम आदमी पार्टी सवाल पूछती रहेगी।

ग़ौरतलब है कि दिल्ली शराब घोटाला मामले में ईडी की टीम संजय सिंह के आवास पर सुबह पहुंची थी।

बिहार के बाद एक और राज्य में ओबीसी सब पर भारी, जाति सर्वे में आया इतना आंकड़ा

10 साल में बड़ा इजाफा

भुवनेश्वर। बिहार के बाद अब ओडिशा में जातिगत सर्वे के आंकड़े सामने आए हैं। इस सर्वे के मुताबिक राज्य में ओबीसी वर्ग की आबादी 46 फीसदी है, जो राज्य का सबसे बड़ा सामाजिक समूह है। यही नहीं ओबीसी वर्ग की आबादी में बड़ा इजाफा भी दर्ज किया गया है क्योंकि 2011 की जनगणना में इनकी आबादी 43 फीसदी ही थी। ओडिशा राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक सूबे में 208 पिछड़ी जातियां हैं। इन्हें आजीविका, इन्फ्रास्ट्रक्चर, घर जैसी सुविधााओं के आधार पर पिछड़े वर्ग में रखा गया है। आयोग की सदस्य मिताली चिनारा ने कहा कि यह सर्वे जुलाई में हुआ था। इसमें पाया गया है कि राज्य की 46 फीसदी आबादी यानी 1.95 करोड़ लोग पिछड़े वर्ग में आते हैं। उन्होंने कहा, हमने यह रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी है। अब राज्य सरकार इस रिपोर्ट के प्रकाशन पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि 2021 की जनगणना अभी नहीं हुई है। हमारा अनुमान है कि राज्य की आबादी 4.8 करोड़ है और उसके अनुपात में ही ओबीसी की आबादी

1.95 करोड़ है। राज्य के एससी, एसटी और ओबीसी विभाग ने इस मामले पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। ओडिशा देश का 5वां राज्य बन गया है, जिसने ओबीसी की आबादी का पता लगाने के लिए कास्ट सर्वे कराया है। इससे पहले बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और हरियाणा में ऐसा सर्वे हो चुका है। दो दिन पहले ही बिहार में जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी हुए हैं, जिसके मुताबिक सूबे में अत्यंत पिछड़ा और पिछड़ा वर्ग की आबादी कुल मिलाकर 63 फीसदी है। यह वर्ग राज्य की दो तिहाई आबादी के करीब है। दूसरे नंबर पर अनुसूचित जनजाति है, जिसकी संख्या 19 फीसदी है। मुसलमान 17 पर्सेंट है और सवर्णों की आबादी 15 फीसदी पाई गई है। ओडिशा में भले ही ओबीसी समुदाय की आबादी लगभग आधी है, लेकिन यहां बिहार, यूपी, राजस्थान और कर्नाटक की तरह कभी ओबीसी फैक्टर की राजनीति नहीं हुई। इस राज्य में ओबीसी की बजाय 24 फीसदी आदिवासी और 17 फीसदी दलित के इर्द-गिर्द राजनीति घूमती रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा के तेजी से उभार के डर से नवीन पटनायक सरकार ने ओबीसी सर्वे का कार्ड खेला है। इसके जरिए वह सोशल इंजीनियरिंग का प्रयास कर सकते हैं।

ओबीसी कोटा को खतरे में डाले बिना मराठों को आरक्षण दें-तटकरे

मुंबई। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) (अजित पवार गुट) के अध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे ने स्पष्ट किया कि मराठा समुदाय के लिए आरक्षण पर उनकी पार्टी की स्थिति अपरिवर्तित रहेगी। उन्होंने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को खतरे में डाले बिना मराठों को आरक्षण दिया जाना चाहिए।

श्री तटकरे ने कहा कि वह सरकार से बिहार की तर्ज पर जातिवार जनगणना कराने की मांग करेंगे। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि मराठा समुदाय के सदस्य केवल आज ही आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। वास्तव में, आज सभी समुदाय आरक्षण की मांग कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा

कि आज एक अलग स्थिति में महाराष्ट्र में आरक्षण को लेकर एक तरह के असंतोष की तस्वीर बन रही है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कुल मिलाकर माहौल यह है कि उन्हें आरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन किसी और के हिस्से से नहीं। श्री तटकरे ने कहा, आज, हम श्री अजीत पवार के नेतृत्व में काम कर रहे हैं और चुनाव आयोग उनके द्वारा उठाए गए रुख से 100 प्रतिशत सहमत होगा।

सिक्किम में बादल फटने के कारण भारी तबाही, बाढ़ में सेना के 23 जवान लापता; सर्च ऑपरेशन जारी

गुवाहाटी। सिक्किम में ल्होनक झील पर अचानक बादल फटने से लाचेन घाटी में तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आ गई जिससे सेना के 23 जवान बह गए और उनका शिविर व वाहन डूब गए। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि अचानक बाढ़ आने और एक बांध से पानी छोड़े जाने के कारण स्थिति और बिगड़ गयी। बाढ़ मंगलवार देर रात करीब डेढ़ बजे आई। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि घाटी में कई प्रतिष्ठान बाढ़ की चपेट में आए हैं तथा नुकसान के संबंध में अभी और जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण झील में जलस्तर अचानक 15 से 20 फुट तक बढ़ गया। अधिकारियों के मुताबिक, इससे सिंगताम के पास बारदांग में खड़े सेना के वाहन डूब गए। उन्होंने बताया कि सेना के 23 जवानों के लापता होने की खबर है और 41 वाहन कीचड़ में डूबे हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, तलाश

एवं बचाव अभियान जारी है।

अधिकारियों ने कहा कि तीस्ता नदी में जल स्तर अचानक बढ़ने के बाद मंगलवार देर रात उत्तरी सिक्किम में कम से कम छह पुल बह गए। उन्होंने यह भी कहा कि तीस्ता नदी में जलस्तर अचानक बढ़ने की खबर मिलते ही अलर्ट जारी कर दिया गया और नदी के किनारे निचले इलाकों को खाली कराना शुरू कर दिया गया।

गंगटोक में भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा, जब किसी छोटे क्षेत्र में लगभग एक घंटे में 100 मिमी से अधिक बारिश होती है, तो इसे बादल फटना कहा जाता है। अधिकारियों ने कहा कि वे यह भी सत्यापित करने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या यह बादल फटना था या पहाड़ों के ऊपरी हिस्से में हिमनद झील का फटना था, जिसके कारण नदी में जल स्तर अचानक बढ़ गया। इस बीच झारखंड पर कम दबाव और संबंधित चक्रवाती परिसंचरण के कारण पश्चिम बंगाल में भी भारी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार तक पूर्वी राज्य में बारिश की गतिविधि बढ़ने का अनुमान लगाया है।

पश्चिम बंगाल के एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा है कि भारी बारिश के कारण बीरभूम, बांकुरा, पश्चिम बर्दवान, पूर्वी बर्दवान, पश्चिम मिदनापुर, हुगली और हावड़ा सहित कम से कम सात जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य के विभिन्न विभागों के शीर्ष अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की।

लैंड फॉर जॉब घोटाले में लालू परिवार को राहत; तेजस्वी, राबड़ी, मीसा समेत सभी आरोपियों को मिली जमानत

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी घोटाले (लैंड फॉर जॉब केस) में लालू परिवार को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर सुनवाई करते हुए सभी आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और सांसद मीसा भारती को जमानत दे दी है। इस केस की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी।

लालू, राबड़ी, तेजस्वी और मीसा भारती समेत लैंड फॉर जॉब केस के सभी 17 आरोपी बुधवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट के आधार पर सभी को पिछले महीने समन किया था। सभी आरोपियों ने कोर्ट में बुधवार को जमानत की अर्जी दी। कोर्ट ने 50 हजार रुपये के निजी मुचलके

पर उन्हें जमानत देने का फैसला सुनाया। साथ ही 16 अक्टूबर को सुनवाई की अगली तारीख तय की गई है। बताया जा रहा है कि इस दिन से केस का ट्रायल शुरू किया जाएगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक सीबीआई की ओर से कोर्ट में दलील दी गई की उसके पास आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत और गवाह हैं। हालांकि अदालत ने कहा कि अभी आरोपियों की जमानत अर्जी रद्द करने का कोई औचित्य नहीं बनता है। बता दें कि सीबीआई ने बीते 3 जुलाई को सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की थी, जिसमें डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को भी आरोपी बनाया गया था।

जमीन के बदले नौकरी देने का कथित घोटाला साल 2004 से 2009 के बीच का है। यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में लालू यादव रेल मंत्री थे। आरोप हैं कि लालू के रेल मंत्री रहते हुए रेलवे में कुछ लोगों को नियमों की अनदेखी कर फर्जी तरीके से नौकरी दी गई थी। इसके बदले में लालू परिवार के सदस्यों के नाम पर पर बहुत ही कम दाम में बेशकीमती जमीनें लिखवाई गईं। सीबीआई ने 2021 में इस केस की जांच शुरू की थी।

पिछले साल जुलाई में लालू के ओएसडी रहे भोला यादव को जांच एजेंसी ने गिरफ्तार किया था। फिर अक्टूबर 2022 में पहली चार्जशीट दायर की गई, जिसमें लालू, राबड़ी, मीसा भारती समेत अन्य को आरोपी बनाया गया। इस साल मार्च महीने में सीबीआई ने लालू परिवार और उनके करीबियों के ठिकानों पर रेड भी मारी। ईडी भी इस केस के मनी लॉन्ड्रिंग पहलू की जांच कर रही है।

संपादकीय

कनाडा से बढ़ती तल्खी

कनाडा के 41 राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ने का अल्टीमेटम देकर सरकार ने जस्टिन ट्रुडो सरकार को एक बार फिर साफ कर दिया है कि नई दिल्ली आतंकवाद के मामले में कोई नरम रवैया नहीं अपनाने जा रही। खबरों के मुताबिक, सरकार ने स्पष्ट कहा है कि यदि ये लोग 10 अक्तूबर के बाद भी भारत में रहे, तो उन्हें जो राजनयिक रियायतें मिल रही हैं, वे वापस ले ली जाएंगी। निस्संदेह, यह बेहद सख्त रुख है और ट्रुडो सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। कनाडा में भारतीय मूल के लोगों की बड़ी तादाद को देखते हुए पूर्व में उसे कई तरह की छूट दी गई थीं, जिनमें से एक मान्य संख्या से अधिक राजनयिकों की नियुक्ति भी थी, लेकिन जब भारत-विरोधी तत्वों की हिमायत में ट्रुडो खुद खुलकर खड़े हैं, तब उन्हें नई दिल्ली से कूटनीतिक उदारता की अपेक्षा भी नहीं करनी चाहिए। भारत में इस वक्त 61 कनाडाई राजनयिक काम कर रहे हैं और नई दिल्ली पहले भी एक-दूसरे देश में राजनयिकों की संख्या के असंतुलन की तरफ ओटावा का ध्यान आकृष्ट कर चुका है। भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंध आज जिस मोड़ पर है, उसके लिए पूरी तरह से ट्रुडो सरकार जिम्मेदार है। भारत के खिलाफ गोलबंद हो रहे खालिस्तानी आतंकियों और कट्टरपंथियों पर लगाम कसना तो दूर, वह उनकी गतिविधियों को कथित अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ में बढ़ावा देती रही। अब यह छिपी हुई बात नहीं है कि भारत सरकार लगातार सभी स्तरों पर इस बाबत चिंता जता रही थी, मगर अपनी घरेलू राजनीति की बाध्यताओं के तहत कनाडा की मौजूदा सरकार इसकी लगातार अनदेखी करती रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ओटावा में भारतीय रायनयिकों के लिए हिंसा और धमकी का माहौल बताया था, लेकिन उसके बाद भी प्रधानमंत्री ट्रुडो का अड़ियल रुख कायम रहा और बगैर किसी ठोस सुबूत के उन्होंने खालिस्तानी आतंकी हरदीप निज्जर की हत्या का आरोप भारतीय एजेंसियों पर मढ़ दिया, और ऐसा वह लगातार कर रहे हैं। भारत सभी देशों की संप्रभुता का पूरा सम्मान करता है, बल्कि कुछ पड़ोसी देशों की कुटिल हरकतों के बावजूद उसने हमेशा इस बात का ख्याल रखा है। निज्जर की हत्या में जब पहली बार 'भारतीय एजेंटों' का जिक्र किया गया, तभी भारत ने इसका स्पष्ट खंडन किया था कि हमारी ऐसी कोई नीति नहीं है। बावजूद इसके प्रधानमंत्री ट्रुडो का रुख भारत की वैश्विक छवि को न सिर्फ धूमिल करने वाला बना रहा, बल्कि एक तरह से भारत विरोधी तत्वों को उकसाने वाला साबित हुआ है। इसकी तस्दीक ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी के साथ ग्लासगो में खालिस्तान समर्थकों की बदसलूकी से की जा सकती है। भारत ने उचित ही ब्रिटेन सरकार से इस घटना पर अपनी नाराजगी जताई है और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इसमें दोराय नहीं कि पश्चिम के एक खेमे को भारत की तरक्की पच नहीं रही, मगर वे भी जानते हैं कि इसको अब आगे बढ़ने से रोका नहीं जा सकता, तो वे इसकी छवि पर खरोंच मारने की कोशिश कर रहे हैं। मगर ऐसा करते हुए न सिर्फ वे आतंकवाद और कट्टरता के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को कमजोर कर रहे, बल्कि खुद को बेपरदा भी कर रहे हैं। बेहतर होगा कि जस्टिन ट्रुडो घरेलू दलीय लाभ से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हितों को महत्व दें, ताकि दोनों देशों के रिश्तों को और नीचे जाने से रोका जा सके। इसी में दोनों देशों की भलाई छिपी है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

भूकंप से जनमानस खौफजदा

(लेखक- नरेन्द्र भारती)

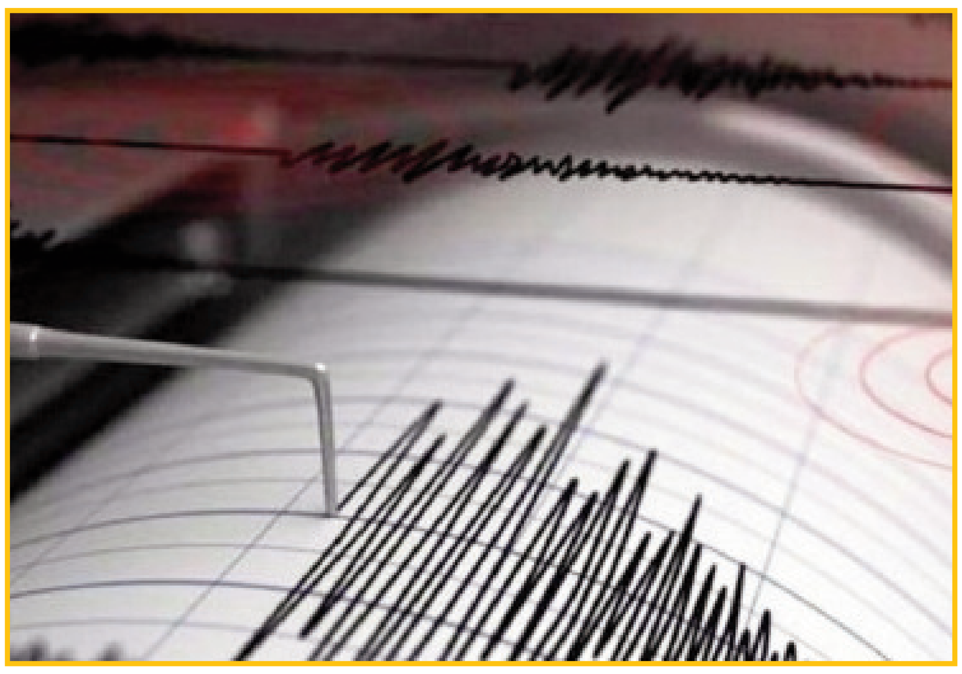

दुनिया में भूकंप थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। 3 अक्टूबर 2023 मंगलवार क़ो नेपाल से लेकर उत्तर भारत तक आये भूकंप से जनमानस खौफनाक है। गनीमत रही की कोई मानवीय तबाही नहीं हुई और जान माल का नुकसान नहीं हुआ। नेपाल के पश्चिमी क्षेत्र में मंगलवार क़ो आधे घंटे के अंतराल में दो बार तेज भूकंप आया। भूकंप से नेपाल दहल गया यहां पर कई इमारते धराशाई हो गई 11लोग घायल हो गए। भूकंप का केंद्र नेपाल था और भारत में सोनीपत व असम भूकंप के केंद्र थे। 25 अप्रैल 2015 क़ो बहुत ही त्रासदी हुई थी जिसकी तीव्रता 7.8 थी तब 8 हजार लोगों की जान गई थी। राजधानी दिल्ली समेत पुरे उत्तर भारत में भूकंप के झटके महसूस किये गए। भूकंप की तीव्रता 6.3 थी भूकंप का केंद्र धरती के पांच किलोमीटर नीचे था। वर्ष 2016में पूर्वोतर समेत देश के आठ राज्यों में भूकंप से आठ लोगों की मौत और 100 से ज्यादा लोगों का जख्मी होना बहुत ही दुखद घटना थी। इस भूकंप ने पूरे देश के हिला दिया था रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 6.7 थी। इस भूकंप का केन्द्र इंफाल से 33 किलोमीटर दूर था। भूकंप से राजधानी इंफाल में भारी नुक्सान हुआ था। नव वर्ष के आगमन 2016 में हुआ यह भूकंप काल बनकर आया था और लोग असमय काल के गाल में समा गए थे। देश के अन्य राज्यों में भी काफी नुक्सान हुआ है। इस विनाशकारी भूकंप से जनमानस खौफजदा है कि कही फिर से भुकंप न आ जाए। असम के गुवाहाटी में व अन्य स्थानों पर 20 से अधिक लोग घायल हो गए थे। भूकंप की वजह से बिहार के किशनगंज में एक और पशिचम बंगाल में आठ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए थे। सरकारें जितना पैसा मुआवजा राशि पर खर्च करती है उतना लोगों को भूकंप जैसी त्रासदियों से बचाव के लिए लोगों को कैपों के माध्यम से जागरुक किया जाना चाहिए। इससे पहले भी भारत में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है 26 जनवरी 2001 कों गुजरात में आए भूकंप ने भारतीय समाज को कभी नहीं भूल पायेगा जहां तबाही का मंजर बहुत ही दर्दनाक था। इसमें लगभग 20000 लोग मारे गए थे। 4 अप्रैल 1905 को हिमाचल के कांगड़ा में आए विनाशकारी भूकंप में 20000 हजार लोग मौत के आगोश में समा गए थे। भूकंप की विभिषिका में हजारों लोग अपंग होते है बच्चे अनाथ हो जाते है हजारों लाशे मलवे में दफन हो जाती है। भूकंप का दंश ताउम्र झेलते है। भारत में कभी भूकंप तो कभी सुनामी व बाढ़ जैसी आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। लोग प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता है। सरकार को चाहिए कि इमारतो का निर्माण करने वाले बिल्डरों को आदेश दे की भीड़:भाड़ वाले शहरों में भूकंप रोधी भवनों का निर्माण करना चाहिए। समय≤ पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते। हर त्रासदी के बाद भूकंप रोधी निर्माण की जरुरत पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातो को भूला दिया जाता है। कुछ लोग भूकंपरोधी भवन नहीं बनाते है दस-दस मजिले बनवाते है लेकिन एक दिन ऐसी आपदाओं के कारण इन्ही घरों में जमीदोज हो जाते है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। शहरों में बिना मानको के इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। अगर सही मानको के मुताबिक निर्माण किया जाए तो जान-माल की रक्षा हो सकती है और होने वाली तबाही को कम किया जा सकता है मगर हादसों आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदा पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए कि भूकंपरोधी मकानों का निर्माण ही तबाही से बचा सकता है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों को मौत के मुंह से बचा सके। अक्सर देखा गया है कि जब तक शहरों में स्थित आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासे उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। देश में आज तक बडे-बड़े विनाशकारी भूकंपों के कारण लाखो लोग मारे जा चुके है। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक भूकंप जैसी आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके। स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए। अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके। पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है।

प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी। अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। वक्त अभी संभलने का है।

> इस विनाशकारी भूकंप से जनमानस खौफजदा है कि कही फिर से भुकंप न आ जाए। असम के गुवाहाटी में व अन्य स्थानों पर 20 से अधिक लोग घायल हो गए थे। भूकंप की वजह से बिहार के किशनगंज में एक और पशिचम बंगाल में आठ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए थे। सरकारें जितना पैसा मुआवजा राशि पर खर्च करती है उतना लोगों को भूकंप जैसी त्रासदियों से बचाव के लिए लोगों को कैपों के माध्यम से जागरुक किया जाना चाहिए।

खामोश चहलकदमी से रचनात्मक ऊर्जा

रेनू सैनी

सुबह का प्रारंभ वॉक पर जाने से किया जाए तो सुबह उत्तम हो जाती है। व्यस्तता के कारण लोगों ने वॉक के समय को बहुकार्यों में विभाजित कर लिया था। मसलन वॉक पर संगीत सुनना, फोन पर मित्रों से बातें करना, ऑफिस के लिए नोट बनाना, पॉडकास्ट सुनना और अपने प्रियजनों को संदेश भेजना आदि। लोगों का मानना है कि ऐसा कर वे वॉक करके अपने स्वास्थ्य पर तो ध्यान दे ही रहे हैं, इसके साथ-साथ अपने कामों को भी होशियारी और कुशलता से निपटा रहे हैं। पर क्या वाकई ऐसा है? आज से पचास साल पीछे के जीवन को अपने माता-पिता या दादा-नानी से पूछकर देखिए कि उस समय सुबह के समय लोग कैसे टहला करते थे? यही जवाब आएगा कि उस समय मोबाइल, पॉडकास्ट जैसी चीजें नहीं थीं। इसलिए वे पार्क में घूमते समय वहां घूमने वाले साथियों को देखकर मुस्कुराते थे, उनके साथ मिलकर व्यायाम करते थे। अध्यात्म और ध्यान उनके वॉक की शक्ति को कई गुना बढ़ा देता था। सुबह की सूरज की नवकिरणें जब मुख पर पड़ें तो हमारा पूरा ध्यान केवल सुबह की ताजी किरणों और सूर्य की लाली पर होना चाहिए। यदि हम फोन में लगे रहेंगे, संगीत सुनेंगे तो प्रकृति की खूबसूरती से वंचित हो जाएंगे। शोर के बीच में शांति को महसूस करना असंभव है। साइलेंट वॉक का अर्थ ही है बिना किसी व्याकुलता के टहलना। जब व्यक्ति साइलेंट वॉक करता है तो उसका मस्तिष्क रचनात्मक हो जाता है क्योंकि उस समय वह केवल अपने विचारों के साथ होता है। वहीं यदि वॉक के समय उसके साथ फोन और संगीत होता है तो विचारों की श्रृंखला टूट जाती है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में इन्फर्मेशन साइंस की प्रोफेसर ग्लोरिया मार्क कहती हैं कि, 'लगातार एक काम से दूसरे काम पर जाने से हमारा फोकस घटने लगता है, मानसिक ऊर्जा कम होने लगती है।' साइलेंट वॉक करने से वह मानसिक ऊर्जा शक्ति में परिवर्तित होकर वापस लौट आती है। कंटेंट क्रिएटर एरियल लॉरे कहती हैं, 'मैं सप्ताह में चार बार 45 मिनट के लिए साइलेंट वॉक करती हूं। अब मुझे बेहतर नींद आती है। मन शांत रहता है। मैं पूरे दिन ऊर्जावान रहती हूं।' द जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल साइकोलॉजी के अध्ययन के अनुसार 30 मिनट साइलेंट वॉक से लोगों का नकारात्मक विचारों पर फोकस करने का समय घट गया। इससे रचनात्मकता के साथ-साथ अवसाद से बचने में भी मदद मिली। साइलेंट वॉक मांसपेशियों में खून के बहाव और ऑक्सीजन की सप्लाई बढ़ाकर हृदय को स्वस्थ रखती है। साइलेंट वॉक से सहनशक्ति बढ़ती है और व्यक्ति के अंदर चुनौतियों का सामना करने की सामर्थ्य में वृद्धि होती है। अनेक महापुरुष साइलेंट वॉक के महत्व को समझते थे। महात्मा गांधीजी साइलेंट वॉक करना पसंद करते थे। वे अक्सर साइलेंट वॉक पर जाया करते थे। इसी दौरान वे मार्ग में आने वाली गंदगी को साफ करते जाते थे और अनेक नए विचारों से मस्तिष्क को समृद्ध करते जाते थे। एक बार वे नौआखली में पैदल एक गांव से दूसरे गांव में घूम रहे थे। अक्सर घूमते हुए वे हरिजन व दबे-कुचले लोगों में जीने की उमंग उत्पन्न करते थे। उन्हें जागरूक करने के लिए वह हर कार्य को पहले स्वयं करते थे ताकि लोगों को उन पर विश्वास हो जाए कि उन्हें छोटे से छोटे काम के लिए प्रेरित करने वाला व्यक्ति खुद किसी कार्य को छोटा नहीं समझता है। एक दिन मनुजी उन्हें टोकते हुए बोलीं, 'बापूजी, आप घूमते हुए अक्सर मूक चलते हैं और हर पगबाधा को दूर करते जाते हैं। मार्ग में आने वाली हर गंदगी को आप स्वयं साफ कर देते हैं। आखिर आप ऐसा क्यों करते हैं?' इस पर गांधी जी मुस्करा कर मनु से बोले, 'तू नहीं जानती। ऐसे काम करना मुझे बहुत पसंद है। दूसरा मैं जब ऐसे काम स्वयं करूंगा तभी तो लोग भी अकेले चलते हुए अपने विचारों को पुष्ट करने का प्रयास करेंगे और देश से गंदगी को मिटाने के लिए दृढ़ संकल्प होंगे। उनके अंदर सहनशीलता, दृढ़ता और धैर्य का विकास तभी हो सकता है जब वे अकेले में शांत भाव से विचरण करें, टहलें और दृढ़संकल्प होकर कार्य करें।' गांधीजी भी मानते थे कि पैदल चलते समय दूसरे कामों में उलझने से मस्तिष्क की उर्वराशक्ति काम नहीं करती। मस्तिष्क की उर्वरा शक्ति को उपजाऊ बनाने के लिए यह जरूरी है कि व्यक्ति शांति से प्रकृति के संग विचरण करे और आसपास होने वाली समस्याओं के समाधान को हल करे। आजकल तीस पार युवाओं में ही जोड़ों की समस्या उत्पन्न होने लगती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि युवा लगातार एक ही जगह पर बैठने का काम करते हैं। उनका शरीर एक ही स्थान पर बैठे-बैठे अकड़ने लगता है। साइलेंट वॉक से व्यक्ति के शरीर के अंदरूनी अंगों को राहत मिलती है और वे स्वस्थ रहते हैं। साइलेंट वॉक व्यक्ति के तन-मन को तो स्वस्थ रखता ही है, इसके साथ ही उनके अंदर बड़ी-बड़ी समस्याओं को हल करने की शक्ति भी प्रदान करता है।

विचार मंथन

बिहार की जाति जनगणना सार्वजनिक होने के बाद मचा बवाल

(लेखक-सनत जैन)

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2 अक्टूबर को जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक किए हैं। जाति जनगणना में बिहार की 63 फ़ीसदी आबादी पिछड़ी जातियों की है। इसमें 36 फ़ीसदी अति पिछडी और 27फीसदी पिछड़ी जातियां हैं। इसके बाद सबसे ज्यादा आबादी 17.7 फीसदी यादव समाज की है। अनुसूचित जातियों की आबादी 19.65 फ़ीसदी है। स्वर्ण जाति की आबादी 15.52 फ़ीसदी है। इसमें स्वर्ण हिंदुओं की आबादी मात्र 10 फ़ीसदी है। बिहार सरकार द्वारा जैसे ही जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक किए गए। उसके बाद से देश भर में इसके पक्ष और विपक्ष में तरह-तरह की बातें सामने आने लगी। जाति जनगणना के आंकड़े सामने आने के तुरंत बाद आबादी के अनुपात के अनुसार आरक्षण बढ़ाने की मांग शुरू हो गई। लालू प्रसाद यादव ने भी सोशल मीडिया पर लिखा,कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए। जिसकी जितनी संख्या, उसकी उतनी हिस्सेदारी हो। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने विशेष कर बिहार के नेताओं ने कहा कि जाति जनगणना के लिए उन्होंने भी अपनी सहमति दी थी। लेकिन जनसंख्या के आधार पर आरक्षण को लेकर, बिहार के भाजपा नेताओं की राय अलग-अलग थी। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की राय भी बिहार के भाजपा नेताओं की राय से अलग थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस कह रही है की आबादी तय करेगी, पहला हक किसका होगा। कांग्रेस को ढाल बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी कह दिया। कांग्रेस अल्प संख्यकों का कोटा खत्म करना चाहती है। अगर आबादी के हिसाब से आरक्षण होगा, तो अल्पसंख्यकों को भारी नुकसान होगा। हिंदू आबादी भारत में सबसे ज्यादा है, तो सारे लाभ क्या हिंदुओं को मिलेंगे। यह कहकर उन्होंने मुस्लिम और इसी जातियों को छोड़कर शेष सभी जातियों को हिंदू बताकर एक तरह से आरक्षण को लेकर अपनी राय स्पष्ट कर दी है। जाति जनगणना की जनसंख्या के आधार पर आरक्षण देने के पक्ष में भाजपा नहीं है। धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर हिंदुत्व का जो ध्रुवीकरण हुआ है वह भाजपा के पक्ष में है। उसे इंडिया गठबंधन के सभी दल मिलकर खंड-खंड करना चाहते हैं। जिसके कारण भाजपा बचाव की मुद्रा में है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नवंबर माह में होने वाले हैं। लोकसभा के चुनाव भी 6 माह बाद होने हैं। ऐसी स्थिति में जातीय जनसंख्या के आंकड़े का जो पिटारा बिहार से खुला है। वह आगामी चुनावों को निश्चित रूप से प्रभावित करेगा। इसे मंडल और कमंडल के बीच की जंग भी माना जा रहा है। जाति आधारित राजनीति मंडल कमीशन के बाद 1990 के दशक में शुरू हुई थी। 1990 में ही कमंडल की राजनीति राम मंदिर के नाम पर शुरू हुई थी। राम मंदिर का मुद्दा धार्मिक आस्था से जुड़ा हुआ था। राम मंदिर को लेकर हिंदुत्व का ध्रुवीकरण कर चुनावी लाभ, भारतीय जनता पार्टी ने पिछले कई चुनाव में उठा लिया है। जाति जनगणना बिहार में हुई है। उसके बाद सभी गैर भाजपाई दलों में जनसंख्या के आधार पर हिंदुओं को विभक्त करने की नई प्रतिक्रिया शुरू हुई है। अभी तक मुस्लिम और ईसाइयों को धार्मिक आधार पर हिंदू नहीं माना जाता था। जैन, बौद्ध,सिख सभी को हिंदू आबादी का अंग मानलिया गया था। धार्मिक आधार पर ही इनका धुर्वीकरण होता था। भारत में मर्यादा पुरुषोत्तम राजा राम सामाजिक व्यवस्था में सभी वर्गों के लिए स्वीकार्य थे। राम मंदिर आंदोलन में सभी जाति वर्ग के लोगों की आस्था रामराज पर थी। जातीय जनगणना के आधार पर अब हिंदुओं को विभक्त करने की गैर भाजपाई दलों की सुनियोजित रणनीति है। सनातन और हिंदुओं के नाम पर एक नया जातीय और धार्मिक ध्रुवीकरण किए जाने के प्रयास, पक्ष और विपक्ष में शुरू हो गए हैं। आने वाले चुनाव में निश्चित रूप से इसका असर चुनाव परिणाम में देखने को मिलेगा। जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर हमला बोला है।

उससे स्पष्ट है, कि आगामी चुनाव में जाति जनगणना का यह मामला भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों के बीच वोटो के बंटवारे के रूप में नया धुर्वीकरण होने जा रहा है। आरक्षण को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच में एक नई जंग छिड़ चुकी है। इसके परिणाम किस तरह के होंगे। इसको लेकर तरह-तरह की अटकलें लगना शुरू हो गई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पराग अग्रवाल और टीम ने मस्क के एक्स से कानूनी फीस में जीते 1.1 मिलियन डॉलर

सैन फ्रांसिस्को। पूर्व ट्विटर सीईओ पराग अग्रवाल, पूर्व-कानूनी प्रमुख विजया गड्डे और अन्य अधिकारियों ने एलन मस्क द्वारा संचालित एक्स कॉर्प से कानूनी फीस में 1.1 मिलियन डॉलर जीते हैं। रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया कि डेलावेयर चांसरी कोर्ट के जज कैथलीन सेंट जे. मैककॉर्मिक ने अग्रवाल और टीम के पक्ष में फैसला सुनाया और माना कि ट्विटर ने कंपनी के लिए उनके काम से उत्पन्न कानूनी खर्चों को कवर करने के अपने कर्तव्यों का उल्लंघन किया। भारतीय मूल के ट्विटर सीईओ अग्रवाल, पूर्व कानूनी प्रमुख गड्डे और पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी नेड सेगल ने 1 मिलियन डॉलर से ज्यादा के अवैतनिक कानूनी बिलों को लेकर इस साल अप्रैल में मस्क द्वारा संचालित ट्विटर पर मुकदमा दायर किया था। पिछले साल अक्टूबर में, मस्क ने अग्रवाल, गड्डे और सेगल को सूचित किया कि कंपनी के साथ उनका एंप्लॉयमेंट समाप्त हो गया है, क्योंकि उन्होंने माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। मुकदमे के अनुसार, तीनों ने आरोप लगाया कि ट्विटर को उन्हें 1 मिलियन डॉलर से अधिक का भुगतान करना होगा। ये खर्च कई सुनवाई में न्याय विभाग और प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा सवालों का जवाब देने के लिए किया गया। अग्रवाल और सेगल को सितंबर में सिक्योरिटीज क्लास एक्शन में प्रतिवादी के रूप में नामित किया गया था, जबकि दोनों अभी भी ट्विटर पर काम कर रहे थे। मुकदमे के अनुसार, गड्डे को इस साल फरवरी में सिक्योरिटीज क्लास एक्शन में एक प्रतिवादी के रूप में नामित किया गया था, जब उस कार्रवाई में वादी ने मुकदमे के अनुसार एक संशोधित क्लास एक्शन शिकायत दर्ज की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब इन तीनों शीर्ष अधिकारियों ने ट्विटर छोड़ा तो उनके पास करीब 90-100 मिलियन डॉलर का एग्जिट पैकेज था। पराग अग्रवाल को लगभग 40 मिलियन डॉलर का सबसे बड़ा भुगतान मिला, जिसका मुख्य कारण ट्विटर में उनके शेयर थे, जो नौकरी से निकाले जाने के बाद मिलने थे।

15 करोड़ डॉलर पोर्टफोलियो का एस्सार ने सफलतापूर्वक वित्तपोषण किया

स्टैनलो (यूके)। एस्सार ऑयल यूके (ईओयूके) ने पुष्टि की है कि उसने हैम्बर्ग कमर्शियल बैंक एजी (एचसीओबी) और मिजराही टेफाहोट बैंक लिमिटेड (यूएमटीबी) के साथ 150 मिलियन डॉलर रिसिवेबल पोर्टफोलियो का वित्तपोषण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस नई सुविधा का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। इस वित्तपोषण का सफल समापन ईओयूके में बैंकिंग समुदाय के विश्वास को उजागर करता है, जो यूके में इसके वित्तीय प्रदर्शन और बाजार की स्थिति पर आधारित है। यह ईओयूके को अपने ग्राहकों को अधिक वित्तपोषण की पेशकश करने की क्षमता से ग्राहकों के साथ संबंध मजबूत करने और बिक्री की मात्रा बढ़ाने में भी सक्षम बनाता है। यह वित्तपोषण इस आकार और प्रकृति की सुविधा के लिए प्रतिस्पर्धी बाजार दर पर आता है, जिससे ईओयूके अपनी दीर्घकालिक वित्तपोषण रणनीति को अनुकूलित कर सकता है। एस्सार ऑयल यूके के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक महेश्वरी ने टिप्पणी की, ÷यह एक सकारात्मक कदम है। ईओयूके ब्रिटेन की पहली लो कार्बन रिफाइनरी बनने की महत्वाकांक्षा के साथ भविष्य का निर्माण कर रहा है। हमारे ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना और प्रतिस्पर्धी वित्तपोषण हासिल करना इस मकसद के लिए महत्वपूर्ण है। एस्सार ऑयल यूके के मुख्य वित्तीय अधिकारी सतीश वासूजा ने टिप्पणी की, हमें इस महत्वपूर्ण वित्तपोषण को पूरा करने और यूएमटीबी और एचसीओबी बैंकों के साथ संबंध बनाने में खुशी हो रही है। यह वित्तपोषण हमें अपनी पूंजी संरचना का एक हिस्सा बाजार मानक शर्तों पर वितरित करने में मदद करता है। यह ईओयूके और हमारे दीर्घकालिक वित्तीय प्रदर्शन में बैंकिंग समुदाय के विश्वास का संकेत है। जबकि यह ग्राहकों को बेहतर शर्तें प्रदान करने और समग्र बिक्री मात्रा बढ़ाने की हमारी रणनीति का भी समर्थन करेगा।

हिंदुस्तान जिंक और ग्रीनलाइन ने ग्रीन लॉजिस्टिक्स के लिए ऐतिहासिक समझौता किया

मुंबई/उदयपुर ।

टिकाऊपन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिंदुस्तान जिंक ने ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड (ग्रीनलाइन) के साथ हाथ मिलाया है। ग्रीनलाइन एस्सार ग्रुप का एक हिस्सा है और यह ग्रीन मोबिलिटी समाधानों में अग्रणी है। अपने टिकाऊ लॉजिस्टिक्स भागीदार के रूप में यह परिवहन संचालन में ग्रीनलाइन के एलएनजी-संचालित बेड़े को तैनात करने के लिए तैयार है। एलएनजी से चलने वाले वाहन डीजल की तुलना में काफी कम उत्सर्जन करते हैं और दोनों कंपनियों के टिकाऊ लक्ष्यों के साथ पूरी तरह से मेल खाते हैं। यह पहल न केवल परिवहन से जुड़े कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगी बल्कि ग्रीन लॉजिस्टिक्स के लिए नए उद्योग मानक भी स्थापित करेगी।

हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा, हिंदुस्तान जिंक में हमने सभी के लिए एक हरित भविष्य बनाने के लिए अपने संचालन के हर पहलू में टिकाऊ प्रथाओं को शामिल किया है। टिकाऊपन हमारी कंपनी की पहचान का एक अभिन्न अंग है और हमारे प्रबंधन और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। एलएनजी वाहनों की तैनाती हमारे स्वीकृत एसबीटीआई लक्ष्यों के अनुरूप है, जिससे पूर्ण स्कोप 1 और 2 जीएचजी उत्सर्जन में 50 प्रतिशत की कमी आएगी और वित्त वर्ष 2020 से वित्त वर्ष 2030 तक स्कोप 3 जीएचजी उत्सर्जन में 25 प्रतिशत की कमी आएगी। एलएनजी वाहनों को पेश कर हम न केवल भारतीय खनन को डीकार्बोनाइजिंग करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित कर रहे हैं, बल्कि परिवहन क्रांति का मार्ग भी प्रशस्त कर रहे हैं। यह 2050 या उससे पहले नेट-जीरो के हमारे दृष्टिकोण की दिशा में एक और कदम है, और हम आने वाले महीनों में इसे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। ग्रीनलाइन के सीईओ आनंद मिमानी ने कहा, भारतीय कॉर्पोरेट नेतृत्व अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है, और हम अपने ग्रीन लॉजिस्टिक्स समाधानों के साथ उनके मिशन को सक्षम कर रहे हैं। स्वच्छ, हरित गतिशीलता समाधान से उद्योगों को उनके टिकाऊ लक्ष्यों को प्राप्त करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हमें हिंदुस्तान जिंक के चुने हुए टिकाऊ लॉजिस्टिक्स साझेदार होने पर गर्व है और हम उनके भारी माल परिवहन के डीकार्बोनाइजेशन को सक्षम करने के लिए तत्पर हैं। हिंदुस्तान जिंक 2050 तक या उससे पहले नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखने के लिए प्रतिबद्ध है और यह समझौता इस लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में नवीनतम पहल है। कंपनी को धातु और खनन क्षेत्र के तहत एसएंडपी ग्लोबल कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट 2022 में वैश्विक स्तर पर तीसरा और एशिया प्रशांत क्षेत्र में पहला स्थान दिया गया है। ग्रीनलाइन टिकाऊ माल परिवहन में अग्रणी है और लंबी दूरी की हेवी ड्यूटी रोड लॉजिस्टिक्स में कार्बन उत्सर्जन को कम करने और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी हिंदुस्तान जिंक के सड़क लॉजिस्टिक्स संचालन के लिए एलएनजी-संचालित ट्रकों को तैनात करने के लिए 200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

एयर इंडिया 23 अक्टूबर से कोलकाता-बैंकॉक के लिए सीधी उड़ान शुरू करेगी

नई दिल्ली।

एयर इंडिया ने बुधवार को घोषणा की कि वह आगामी त्योहारी सीजन के दौरान 23 अक्टूबर से कोलकाता और बैंकॉक के बीच एक नई नॉन-स्टॉप सेवा शुरू करेगी। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, एआई322 कोलकाता से रात 10 बजे उड़ान भरेगा, जबकि एआई321 बैंकॉक से दोपहर 3.05 बजे वापसी उड़ान भरेगा। एयरबस परिवार के विमान से संचालित होने वाली यह उड़ान इकोनॉमी और बिजनेस क्लास की दो-श्रेणी की होगी और छह दिन चलेगी, सोमवार से शनिवार तक। प्रवक्ता ने कहा, इस नई सुविधा से दोनों शहरों में पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, बैंकॉक के यात्रियों को एयर इंडिया के नेटवर्क पर थाईलैंड, लाओस और कंबोडिया के 10 लोकप्रिय गंतव्यों तक कनेक्टिंग फ्लाइट लेने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। प्रवक्ता के अनुसार, एयर इंडिया वर्तमान में दिल्ली और मुंबई से दैनिक नॉन-स्टॉप सेवाओं के साथ प्रति सप्ताह बैंकॉक के लिए कुल 14 उड़ानें संचालित करती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 286 अंक, निफ्टी 92 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी निकालने से भी बाजार पर दबाव आया। इसके अलावा अमेरिकी तथा एशियाई बाजारों के कमजोर रुख से भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 286.06 अंक करीब 0.44 फीसदी नीचे आकर 65,226.04 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय यह 633.33 अंक तक फिसल गया था। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 92.65 अंक तकरीबन 0.47 फीसदी टूटकर 19,436.10 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक्सिस बैंक में सबसे ज्यादा चार फीसदी से अधिक की गिरावट रही। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक, इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, मारुति और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर भी गिरे। वहीं नेस्ले, हिंदुस्तान युनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एशियन पेंट्स के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट लाभ में रहा।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी रही। अमेरिकी बाजारों में गत दिवस एक फीसदी से अधिक की गिरावट रही। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 2,034.14 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड (कच्चा तेल) 0.91 फीसदी की गिरावट के साथ 90.09 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला।सेंसेक्स 431.88 अंक करीब 0.66 फीसदी नीचे आकर 65,082.45 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि पचास शेयर वाला एनएसई निफ्टी 122.75 अंक तकरीबन 0.63 फीसदी टूटकर 19406.00 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आज सुबह प्री-ओपनिंग में बाजार नीचे आया। सेंसेक्स 23.10 अंक करीब 0.04 फीसदी फिसलकर 65,464.83 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 52.90 अंक तकरीबन 0.27 फीसदी नीचे आकर 19476.35 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सुबह गिफ्ट निफ्टी 100 अंकों से नीचे आकर 19,431 के स्तर पर खुला था। कुछ समय बाद ही ये और नीचे आ गया और 19,427 के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिका में उम्मीद से अधिक अच्छी नौकरी के अवसर से 10 साल की ट्रेजरी यील्ड पिछले 16 साल के शीर्ष स्तर 4.80 फीसदी पर दा दिया

सितंबर में सार्वजनिक बैंकों के शेयरों में रही सबसे ज्यादा तेजी

नई दिल्ली-

सितंबर में पीएसयू बैंक (18 फीसदी), टेलीकॉम (नौ फीसदी), यूटिलिटीज (सात फीसदी), तेल एवं गैस (छह फीसदी) और कैपिटल गुड्स (छह प्रतिशत) के साथ सभी प्रमुख क्षेत्र बढ़त में रहे जबकि मीडिया (माइनस एक प्रतिशत) एकमात्र कमजोर क्षेत्र रहा। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। निफ्टी-50 पिछले महीने 20 हजार अंक के मील के पत्थर तक पहुंच गया। निफ्टी -50 ने 18 हजार से 19 हजार तक 425 दिनों (अक्टूबर 2021 - जून 2023) की एक अस्थिर और लंबी यात्रा के बाद 19 हजार से 20 हजार तक का सफर केवल 52 कारोबारी दिनों (जुलाई-सितंबर) में पूरा किया। हालाँकि, प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, निफ्टी-50 अपने जून 2022 और मार्च 2023 के निचले स्तर से उबरकर 20 हजार तक पहुंचने में कामयाब रहा। इसमें सबसे ज्यादा योगदान इस साल मार्च से सितंबर के बीच 19 अरब डॉलर के विदेशी संस्थागत निवेश और 9.3 अरब डॉलर के घरेलू संस्थागत निवेश का रहा।मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट के अनुसार, छह महीने तक शुद्ध खरीदार बने रहने के बाद सितंबर में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2.3 अरब डॉलर की शुद्ध बिकवाली की। कैलेंडर वर्ष 2023 में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की तरफ से पूंजी प्रवाह क्रमशः 14.7 अरब डॉलर और 15.7 अरब डॉनर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डीआईआई ने अगस्त 2023 में तीन अरब डॉलर के निवेश के बाद सितंबर 2023 में भी 2.4 अरब डॉलर का उल्लेखनीय प्रवाह दर्ज किया। रिपोर्ट में कहा गया है, हम देखते हैं कि पिछले पांच आम चुनावों (1999-2019) के दौरान, चुनाव परिणामों की घोषणा से छह महीने पहले निफ्टी-50 में 10-32 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। भारत में मार्च-मई 2024 में आम चुनाव होंगे।

कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला, उज्ज्वला योजना वाले सिलेंडर पर बढ़ी सब्सिडी

(एजेंसी)

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। सरकार ने उज्ज्वला स्कीम में दी जाने वाली सब्सिडी में इजाफा किया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि अब उज्ज्वला स्कीम में अब सरकार की ओर से एक सिलेंडर पर सब्सिडी बढ़कर 300 रुपए मिलेगी। पहले सरकार एक सिलेंडर पर 200 रुपए सब्सिडी दे रही थी। इससे पहले 30 अगस्त 2023 को हुई कैबिनेट की मीटिंग में सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर 200 रुपए की सब्सिडी को मंजूरी दी थी। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई, आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए मौजूदा सब्सिडी को बढ़ाया था। पिछ्ले ऐलान में सरकार ने 200 रुपए की बढ़ोतरी की थी, जिससे प्रति सिलेंडर कुल सब्सिडी 400 रुपए हो गई थी। बीते ऐलान के बाद सब्सिडी योजना के तहत नए कनेक्शन पूरी तरह से मुफ्त होंगे। सरकार की ओर से कहा गया था कि सरकार फाइनेंशियल ईयर 2024 में 7,680 करोड़ रुपए का अतिरिक्त एलपीजी सब्सिडी बोझ उठाएगी।

एफआईआई की बिकवाली जारी रहेगी, तेजड़िये बैकफुट पर होंगे: विश्लेषक

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (आईएएनएस)। निकट भविष्य में वैश्विक बाजारों के लिए संकेत नकारात्मक हैं और अमेरिकी बॉन्ड पर ब्याज में निरंतर वृद्धि का सिलसिला थमने का कोई संकेत नहीं है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि एफआईआई बिकवाली जारी रखेंगे और तेजड़िये बैकफुट पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि सकारात्मक पक्ष की तरफ देखें तो कुछ क्षेत्रों में वैल्यूएशन आकर्षक हो रहा है और यह घरेलू तथा खुदरा निवेशकों को ऐसे क्षेत्रों में स्टॉक खरीदने के लिए प्रेरित कर सकता है। इस जटिल स्थिति का एक अपरिहार्य परिणाम बढ़ती अस्थिरता है। निवेशकों को उन शेयरों पर नजर रखनी चाहिए जो कमजोर बाजार में भी मजबूत दिखते हैं। उन्होंने कहा कि बजाज फाइनेंस, एलएंडटी और जोमैटो जैसे शेयर कमजोर बाजार में भी मजबूती दिखा रहे हैं।बाजार में एक महत्वपूर्ण रुझान यह है कि बड़े पूंजी वाले निजी क्षेत्र के बैंकों जैसे बुनियादी तौर पर मजबूत स्टॉक एफआईआई की बिकवाली के कारण कमजोर हो गए हैं। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह एक अवसर है। प्रोग्रेसिव शेयर्स के निदेशक आदित्य गग्गर ने कहा कि अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में बिकवाली का दबाव देखा जा रहा है जो बाजार में और गिरावट क संकेत देता है। भारतीय बाजारों में, मंदड़ियों को अपनी पकड़ मजबूत करते देखा गया। निफ्टी 50 ने सप्ताह की शुरुआत धीमी गति से की, और ऑटो तथा ऊर्जा क्षेत्रों पर ने सूचकांक पर दबाव बनाकर दिन के निचले स्तर 19,528.75 पर बंद हुआ। दूसरी तिमाही के बिजनेस अपडेट और आज से शुरू होने वाली एमपीसी बैठक जैसे विभिन्न कारणों से बैंकिंग स्टॉक फोकस में रहेंगे। बीएफएसआई सेगमेंट में विचलन जारी रहने की संभावना है, जहां दिग्गज निजी बैंकों में उतार-चढ़ाव रहेगा और पीएसयू बैंक बीच-बीच में मामूली सुधारात्मक कदम के साथ अपनी तेजी बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि ऑटो और ऊर्जा क्षेत्रों में गिरावट की संभावना है, जबकि रियल्टी और पावर क्षेत्र में कुछ खास कंपनियों के शेयरों में खरीदारी देखी जा सकती है। बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 373 अंक गिरकर 65,138 अंक पर है। एक्सिस बैंक में 3 फीसदी से ज्यादा गिरावट है।

रेरा के आदेश के बाद 2 प्रमोटर्स ने 5 आवंटियों को लौटाई 62 लाख की रकम

ग्रेटर नोएडा ।

उ.प्र. रेरा के आदेश के बाद दो प्रमोटर ने मिलकर पांच आवंटियों को 62 लाख 11 हजार रुपए की धनराशि वापस की है। रेरा के आदेश पर ग्रेटर नोएडा में आवासीय योजना समय पर विकसित न करने पर मेसर्स निवास बिल्डर व मेसर्स रिनाउंड बिल्डटेक ने पांच आवंटियों को 62.11 लाख रुपये भुगतान किया।यह फैसला बिल्डरों व आवंटियों के बीच आपसी सहमति बनने पर सुनाया गया। नोएडा वेस्ट के सेक्टर-10 में आवासीय वन लीफ ट्रॉय परियोजना का निर्माण व विकास कार्य कई साल से बंद पड़ा था। नियम व शर्तों के मुताबिक बिल्डर द्वारा निर्माण नहीं किया गया और रेरा में शिकायत कर जमा धनराशि वापस मांगी गई थी। इस पर रेरा ने आवंटियों को रिफंड दिलाने के लिए कई मामलों में वसूली प्रमाण पत्र भी जारी किया था। इसके पहले बिल्डरों ने इस परियोजना के आवंटियों की मांग का समाधान करते हुए 1.50 करोड़ का भुगतान किया था। रेरा ने मेसर्स निवास बिल्डर व मेसर्स रिनाउंड बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड के बीच आपसी समाधान कर पांच आवंटियों को 62 लाख 11 हजार रुपये भुगतान कराया है जो बिल्डरों ने आवंटी, दिनेश जोशी, के डी जोशी, नवरतन यादव, निरंजन कुमार व नितिन मोहन को भुगतान कर दिए हैं। सभी 5 आवंटियों को लगभग रुपये 62 लाख 11 हजार की धनराशि का भुगतान किया गया है।

इसके अन्तर्गत सभी आवंटियों, दिनेश जोशी को 11.62 लाख, के डी जोशी 10.12 लाख, नवरतन यादव 7.98 लाख, निरंजन कुमार को 18.64 लाख तथा नितिन मोहन को 13.73 लाख दिए गए हैं।

अमेजन ने कीमतें बढ़ाने के लिए सीक्रेट एल्गोरिदम का किया इस्तेमाल

सैन फ्रांसिस्को।

ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने कथित तौर पर यह पता लगाने के लिए सीक्रेट एल्गोरिदम तैनात किया है कि वह अपने प्लेटफॉर्म पर कीमतें कितनी बढ़ा सकती है, जिससे कथित तौर पर कंपनी को अपना मुनाफा बढ़ाने में मदद मिले।वॉल स्ट्रीट जर्नल ने ई-कॉमर्स प्रमुख के खिलाफ संघीय व्यापार आयोग (एफटीसी) के एकाधिकार मुकदमे के संशोधित हिस्सों का हवाला देते हुए मंगलवार देर रात रिपोर्ट दी कि अमेजन ने प्रतिस्पर्धी तरीके से कीमतें बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट नेस्सी एल्गोरिदम का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि अगर प्रतिस्पर्धी खुदरा विक्रेता कम कीमत बनाए रखते हैं, तो एल्गोरिदम स्वचालित रूप से अमेजन को उनकी सामान्य कीमत पर वापस ला देगा। कथित तौर पर प्रोजेक्ट नेस्सी ने अमेजन को अलग-अलग शॉपिंग कैटेगिरी में अपनी कीमतें आर्टिफिशियल रूप से बढ़ाकर अपना मुनाफा बढ़ाने में मदद की। कंपनी ने कथित तौर पर 2019 में सीक्रेट एल्गोरिदम का उपयोग बंद कर दिया। एफटीसी के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, हम एक बार फिर अमेजन से कटौती को हटाने के लिए तेजी से आगे बढ़ने और अमेरिकी जनता को उनके अवैध एकाधिकारवादी व्यवहार का पूरा दायरा देखने की अनुमति देने का अनुरोध करते हैं।लीना खान के नेतृत्व वाले संघीय व्यापार आयोग (एफटीसी) और अमेरिका में 17 राज्य अटॉर्नी जनरल ने पिछले महीने अमेजन पर मुकदमा दायर किया था, जिसमें आरोप लगाया गया कि ऑनलाइन खुदरा और प्रौद्योगिकी कंपनी एक एकाधिकारवादी है जो अवैध रूप से अपनी शक्ति को बनाए रखने के लिएइंटरलॉकिंग एंटी-कंपीटिटिव और अनुचित रणनीतियों का उपयोग करती है। एफटीसी और उनके राज्य भागीदारों ने कहा कि अमेजन की कार्रवाइयां उन्हें प्रतिद्वंद्वियों और विक्रेताओं को कीमतें कम करने से रोकने, खरीदारों के लिए गुणवत्ता को कम करने, विक्रेताओं से अधिक शुल्क लेने, नवाचार को दबाने और प्रतिद्वंद्वियों को अमेजन के खिलाफ उचित प्रतिस्पर्धा करने से रोकने की अनुमति देती हैं। एफटीसी अध्यक्ष खान ने कहा, हमारी शिकायत बताती है कि कैसे अमेजन ने अपने एकाधिकार को गैरकानूनी रूप से बनाए रखने के लिए दंडात्मक और जबरदस्त रणनीति का इस्तेमाल किया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल (क्रूड) हालांकि 90 डॉलर के करीब बना हुआ है। आज सुबह डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतें 0.17 फीसदी बढ़कर 89.38 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गयीं। वहीं, ब्रेंट क्रूड भी 0.09 फीसदी ऊपर आकर 91 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर नजर डालें तो छत्तीसगढ़ में आज पेट्रोल 60 पैसे और डीजल 59 पैसे महंगा हुआ है। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल की कीमतें करीब 1 रुपये बढ़ गयी हैं। पेट्रोल 96 पैसे और डीजल 93 पैसे महंगा हुआ है। इसके अलावा पंजाब, गोवा, जम्मू-कश्मीर व केरल में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल आया है। दूसरी ओर मध्य प्रदेश में पेट्रोल की कीममें 30 पैसे और डीजल 28 पैसे कम हुई हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 20 पैसे कम हुई हैं। नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपये और डीजल 89.94 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर पर है।

विश्वकप में शुभमन तोड़ सकते हैं सचिन का एक रिकार्ड

मुम्बई । भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के पास पांच अक्टूबर से शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्वकप में महान बल्लेबाज सचिन के एक रिकार्ड को तोड़ने का अवसर है। शुभमन ने अब तक के अपने सफर में शानदार प्रदर्शन किया है। इस युवा ने तीनों ही प्रारुपों में ईशान किशन, शिखर धवन और केएल राहुल को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में अब उम्मीद है कि शुभमन विश्वकप में तेंदुलकर का 25 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। शुभमन ने साल इस साल अब तक एकदिवसीय क्रिकेट में एक हजार से ज्यादा रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने इस साल अब तक पांच शतक लगाये हैं। इसमें एक एक दोहरा शतक भी शामिल है। इस साल शुभकन ने अब तक 1230 रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज के पास अब सचिन का एक साल में सबसे अधिक रनों का रिकॉर्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है। तेंदुलकर के नाम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने साल 1998 में एकदिवसीय में कुल 1894 रन बनाए थे। वहीं शुभमन को सचिन के इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए अब केवल 664 रन की ही जरुरत है। वहीं उनके पास इस साल अभी 12 से 14 एकदिवसीय मैच बचे हुए हैं। भारतीय टीम विश्व कप में ही कम से कम 9 मैच खेलेगी। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दिसंबर में 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज होनी है।

एकदिवसीय विश्वकप 2023 की शुरुआत आज इंग्लैंड और न्यूजीलैंड मैच से होगी

दोपहर दो बजे शुरु होगा मुकाबला

अहमदाबाद ।

भारत की मेजबानी में शुरु हो रहे आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप 2023 का पहला मुकाबला गत विजेता इंग्लैंड और उपविजेता न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार को यहां के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच के लिए सभी टिकट पहले ही बिक गये थे। ऐसे में स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा रहेगा। इस मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। इस मैच में जहां इंग्लैंड टीम एक बार फिर खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। वहीं कीवी टीम पिछले विश्वकप की हार का बदला लेने के इरादे से उतरेगी। स्टार खिलाड़ियों से भरी इंग्लैंड की टीम जहां इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। वहीं न्यूजीलैंड ने अभ्यास मैचों में शानदार प्रदर्शन से दिखाया है कि वह कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार है। इंग्लैंड की टीम जोस बटलर की कप्तानी में विश्व कप जीतने की प्रबल दावेदार है। टी20 विश्व कप भी इंग्लैंड ने ही जीता था। दूसरी ओर अभी तक आईसीसी विश्व कप नहीं जीत सकी न्यूजीलैंड टीम के सामने कई समस्यायें हैं। कप्तान केन विलियमसन अभ्यास मैच खेलने के बावजूद फिट नहीं हुए हैं, ऐसे में टीम को उनके बिना ही उतरना होगा। टॉम लाथम को विलियमसन के नहीं होने के कारण कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। वहीं तेज गेंदबाज टिम साउदी भी पहले मैच में उपलब्ध नहीं हैं। विलियमसन ओर साउदी सर्जरी के बाद पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। इन दोनो अहम खिलाड़ियों के बिना कीवी टीम कमजोर नजर आती है। विलियमसन जहां प्रमुख बल्लेबाज हैं। वहीं साउदी अनुभवी गेंदबाज है। दूसरी ओर इंग्लैंड के पास बेन स्टोक्स जैसे ऑलराउंडर हैं जो

बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपने शानदार प्रदर्शन के कारण मैच विजेता माने जाते हैं। अहमदाबाद की पिच आम तौर पर बल्लेबाजों की सहायक मानी जाती है ओर ऐसे में इंग्लैंड के पास बड़ा स्कोर बनाने का अच्छा अवसर है क्योंकि उसके पास जो रूट , लियाम लिविंगस्टोन, जॉनी बेयरस्टॉ, हैरी ब्रूक सहित कई बेहतरीन बल्लेबाज हैं। स्टोक्स घुटने की दिक्कत के कारण गेंदबाज शायद ही करें पर बल्लेबाजी में वह कभी भी बाजी पलट देते हैं।पिछले दो विश्व कप फाइनल (2019 और 2022) में उन्होंने ये साबित किया था। उनके अलावा इंग्लैंड के कप्तान लियाम लिविंगस्टोन, जॉनी बेयरस्टॉ, हैरी ब्रूक, डेविड मलान और जो रूट जैसे बल्लेबाज भी हैं। उसके कई खिलाड़ियों ने आईपीएल में खेला है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। इसके अलावा मोईन अली, क्रिस वोक्स और सैम कुरेन के रूप में उनके पास काफी अच्छे ऑलराउंडर हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंची

सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराया

हांगझोउ ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम टीम ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए एशियाई खेलों के फाइनल में प्रवेश किया है। इस प्रकार भारतीय टीम अब खिताब के बेहद करीब पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने बुधवार को सेमीफाइल मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखा। भारतीय टीम ने अभी तक यहां सभी मुकाबले जीते हैं। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने इन टूर्नामेंट में किसी भी टीम को कोई अवसर नहीं दिया है। भारत की ओर से इस मुकाबले में हार्दिक सिंह ने पांचवें मिनट में एक गोल किया। वहीं मनदीप सिंह ने 11वां मिनट और ललित उपाध्याय ने 15वें मिनट में गोल दागा। इस प्रकार भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में ही तीन गोल दागकर अच्छी बढ़त ले ली।

दूसरे क्वार्टर में कोरियाई टीम ने वापसी का प्रयास किया। उसकी ओर से माने जुंग ने 17वें और 20वें

मिनट में दो गोल करके बढ़त कम करने का प्रयास किया। इसके बाद भारतीय टीम ने एक बार फिर हमला बोलते हुए 24वें मिनट में एक और गोल कर दिया। ये गोल अमित रोहिदास ने किया। वहीं कोरिया की ओर से जुंग ने फिर 47वें मिनट में गोल कर दिया पर भारत के ने 54वें मिनट में गोल करके भारत की जीत तय कर दी। अब खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम सात अक्टूबर को जापान से टकरायेगी।

भारत ने महिला 4 गुणा 400 रिले रेस में जीता सिल्वर

हांगझोऊ।

एशियाई खेलों में बुधवार को महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर रिले स्पर्धा में भारत की विथ्या, ऐश्वर्या, प्राची और सुभा की टीम ने रजत पदक जीता। उन्होंने 2018 के अपने गेम्स रिकॉर्ड को भी बेहतर किया, जब उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय टीम का नया रिकॉर्ड 3:27.85 है। भारतीय खिलाड़ी बहरीन की चौकड़ी मुना साद एस, ओलुवाकेमी मुजिदत, जेनब मौसा अली और सलवा ईद नासेर के बाद दूसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने 3:27:65 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

जैवलिन थ्रो में भारत का धमाल, नीरज चोपड़ा ने गोल्ड तो किशोर ने जीता सिल्वर

हांगझू।

जैवलिन थ्रो में स्टार नीरज चोपड़ा ने बुधवार को एशियाई खेलों में अपने स्वर्ण पदक का बचाव किया, जबकि किशोर जेना ने रजत पदक हासिल किया। यह नीरज का 88.88 मीटर का चौथा थ्रो था, जो सीज़न का सर्वश्रेष्ठ था। वहीं, उनके हमवतन किशोर ने 87.54 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक जीता। हालांकि, नीरज के पहले थ्रो के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। उनका यह थ्रो 85 मीटर के निशान से ऊपर लग रहा था और लेकिन इसे गिना नहीं गया। अधिकारियों और नीरज के बीच लंबी चर्चा के बाद, उन्होंने फैसला किया कि भारतीय खिलाड़ी को तकनीकी खराबी के कारण अपना पहला प्रयास फिर से फेंकना होगा। गड़बड़ी एक बार फिर हुई और इस बार किशोर जेना को थ्रोइंग लाइन पार करने के लिए उनके दूसरे थ्रो में लाल झंडा दिखाया गया। हालांकि, उन्होंने लाइन पार नहीं की। अधिकारियों से चर्चा के बाद उन्हें सफेद झंडा दिखाया गया। माना जा रहा है कि अन्य विषयों में भी ऐसी घटनाएं हुई हैं और भारत रेफरी के खिलाफ विरोध दर्ज करा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

एशियाई खेल : भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने थाईलैंड को हराया

हांगझोउ । भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में बुधवार को थाईलैंड की टीम को 63-26 से हरा दिया। इसी के साथ ही सात बार की विजेता भारतीय टीम की नजरें अब स्वर्ण पर है। भारतीय टीम ने प्रतियोगिता के ग्रुप ए में थाईलैंड के खिलाफ 63-26 की आसान जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने थाईलैंड को 'ऑल आउट' कर जी दर्ज की। थाईलैंड के प्रमोत साइसिंग अंतिम खिलाड़ी बचे थे और जब वे रेड के लिए गए तो भारतीय टीम ने तीसरी बार 'ऑल आउट' किया। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में शानदार शुरुआत करते हुए हाफ टाइम क 37-9 की बढ़त बनाई। भारत ने मुकाबले की शुरुआत में ही कुछ मिनटों में थाईलैंड की टीम को पहली बार 'ऑल आउट' कर दिया। भारत ने जल्द ही दूसरी बार भी थाईलैंड की टीम को 'ऑल आउट' किया। थाईलैंड के प्रमोत साइसिंग अंतिम खिलाड़ी बचे थे और जब वे रेड के लिए गए तो भारतीय टीम ने तीसरी बार उसे 'ऑल आउट' कर दिया। भारत ने दूसरे हाफ में चौथी बार थाईलैंड को 'ऑल आउट' करके 53-17 की बढ़त बनाई। थाईलैंड ने दूसरे हाफ में वापसी के प्रयास किये पर विफल रही। लेकिन भारत ने यह हाफ 26-17 से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

रेसलिंग : सुनील ने ग्रीको-रोमन 87 किग्रा में जीता ब्रॉन्ज

हांगझोऊ। भारत के सुनील कुमार ने मेंस रेसलिंग ग्रीको-रोमन 87 किग्रा वर्ग में किर्गिस्तान के अताबेक अजीसबेकोव को 2-1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।2010 के बाद ग्रीको-रोमन स्टाइल में भारत के लिए यह पहला मेडल आया है। इससे पहले, सुनील ने क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान के सुखरोब अब्दुलखेव पर 9-1 और प्री-क्वार्टर फाइनल में चीन के पेंग फी के खिलाफ 4-3 से जीत हासिल की थी। हालांकि, इस 24 वर्षीय खिलाड़ी को ईरान के नासेर अलीजादेह के खिलाफ सेमीफाइनल में 1-5 से हार का सामना करना पड़ा।

एशियाई खेल : दीपिका-हरिंदर की जोड़ी स्कवॉश मुकाबले के फाइनल मे पहुंची

अनाहत-अभय को सेमीफाइनल में हार के साथ मिला कांस्य

हांगझोउ ।

भारत की दीपिका पल्लीकल और उनके जोड़ीदार हरिंदर पाल सिंह संधू ने बुधवार को एशियाई खेलों के मिश्रित युगल स्कवॉश मुकाबले के फाइनल में जगह बनायी है। इसी के साथ ही जोड़ी ने भारत का एक और पदक पक्का कर दिया है। दीपिका और हरिंदर की जोड़ी ने हांगकांग की ली का यी और वोंग ची हिम की जोड़ी को सेमीफाइनल में 2-1 (7-11 11-7 11-9) से हराया। इस मुकाबले में शुरुआत में पिछड़ने के बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की। दीपिका और हरिंदर को सेमीफाइनल के पहले गेम में हार मिली पर इसके बाद वापसी करते हुए इस जोड़ी ने अगले दो गेम जीतकर मुकाबले को 38 मिनट में अपने नाम कर लिया। भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम केवल नौ मिनट में जीता जबकि तीसरे गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और यह गेम 15 मिनट चला। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारम की ही अनाहत सिंह और अभय सिंह की दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इस भारतीय जोड़ी को

मलेशिया की आइफा बिंटी अजमान और मोहम्मद सयाफिक बिन मोहम्मद कमाल की जोड़ी ने 1-2 (11-8, 2-11, 9-11) से हराया जिससे। इन्हें कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। इस मुकाबले के दौरान अनाहत और अजमान आपस में टकरा भी गईं। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम आसानी से जीता पर मलेशिया की जोड़ी ने अगले दोनों गेम जीतकर भारतीय जोड़ी की उम्मीदें तोड़ दीं।

विश्वकप में खिलाड़ियों पर दबाव को हावी नहीं होने देंगे : रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनकी टीम विश्वकप में पूरे उत्साह से उतरेगी। रोहित ने कहा कि पिछले एक दशक में कोई आईसीसी खिताब नहीं जीतने के कारण टीम पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं है। भारतीय टीम को अपनी धरती पर होने वाले इस विश्वकप में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम ने हालांकि पिछले एक दशक से कोई आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती है जिससे माना जा रहा है कि उसपर दबाव होगा पर रोहित ने ऐसी किसी भी संभावना से इंकार किया है। रोहित ने कहा कि वह खिलाड़ियों पर किसी भी प्रकार के दबाव को हावी होने नहीं देंगे। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2013 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। उसके बाद से ही टीम कोई खिताब नहीं जीत पायी है। भारतीय टीम साल 2017 में भी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची पर तब उसे पाकिस्ताान के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी टीम इंडिया दो बार पहुंची थी पर वहां भी उससे विफलता मिली। रोहित ने कहा, 'यह सही है कि हम 2013 से कोई आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीते हैं लेकिन मैं एक व्यक्ति के रूप में इस बारे में ज्यादा विचार कर बिना बात के दबाव में नहीं आता। . इंग्लैंड टीम ने भी अभी-अभी जीतना शुरू किया है, कई सालों के बाद उन्होंने विश्वकप जीता है। ऐसा होता है। ऑस्ट्रेलिया ऐसी एकमात्र टीम है जिसने लगातार जीत हासिल की है। साल 2007 के बाद उन्होंने 2015 में भी एकदिवसीय वर्ल्डकप जीता, दुबई में उन्होंने टी20 वर्ल्डकप भी जीता। रोहित ने साथ ही कहा, 'ऐसे में विश्वकप कौन जीतेगा,मेरे पास इसका जवाब नहीं है। मैं केवल यह जानता हूं कि हमारी टीम अच्छी स्थिति में है और हर कोई फिट है, इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कह सकता। वैसे यदि प्रशंसकों की उम्मीदें बहुत ऊंची न हों तो मुझे खुशी होगी। लोग जैसी उम्मीद लगाए हैं, हम उस पर नियंत्रण नहीं कर सकते। हम जहां भी जाते हैं, वे कहते हैं विश्वकप जीतना है। यह सिलसिला सब जगह होता है और ये रुकने वाला नहीं है।

विश्वकप के फाइनल में पहुंचेंगी ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका : एरोन फिंच

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरोन फिंच ने कहा है कि इस बार ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीम फाइनल में पहुंचेगी। वहीं इससे पहले अधिकतर दिग्गजों ने भारत, पाकिस्तान और इंग्लैंड को प्रबल दावेदार बताया था। फिंच की राय सबसे हटकर है। उनका मानना है कि इस बार दक्षिण अफ्रीका की टीम सबको हैरान करेगी। विश्वकप की शुरुआत 5 अक्टूबर से होगी। फिंच की पसंदीदा दक्षिण अफ्रीका ने अब तक कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता है। पांच बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को फाइनल का दावेदार माना जा सकता है पर दूसरी टीम के रूप में दक्षिण अफ्रीका का चयन सभी के लिए हैरत की बात है क्योंकि वह एक बार भी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पायी है। फिंच का यह भी मानना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम में छठी बार खिताब जीत सकती है।फिंच ने पिछले साल सितंबर में ही एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय को अलविदा कहा है। फिंच के इस अनुमान से पहले भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने जो बटलर की इंग्लैंड टीम को खिताब का प्रबल दावेदार बताया था। गावस्कर ने यह भी कहा था कि 2019 की चैंपियन इंग्लैंड अपने खिताब को बये रखने में सक्षम है क्योंकि वह एक संतुलित है।

आईसीसी ने विश्वकप के लिए सचिन को बनाया ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को विश्व कप के लिए ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। सचिन अब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार को होने वाले उद्घाटन मैच से पहले विश्व कप ट्रॉफी के साथ मैदान पर आएंगे और टूर्नामेंट के उद्घाटन की घोषणा करेंगे। तेंदुलकर ने यह जिम्मेदारी मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि विश्व कप के आयोजन से युवा लड़कों और लड़कियों का इस खेले के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। इससे उन्हें ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा, इतनी सारी विशेष टीमें और खिलाड़ी यहां भारत में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में कड़ी प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं, मैं इस शानदार टूर्नामेंट का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।साथ ही कहा, मुझे उम्मीद है कि यह संस्करण भी युवा लड़कियों और लड़कों को खेल चुनने और उच्चतम स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करेगा। वहीं आईसीसी के महाप्रबंधक, विपणन और संचार, क्लेयर फर्लांग ने कहा, यह प्रशंसकों को करीब लाएगा और हम इसके शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, सचिन को हमारे ब्रांड एम्बेसडर के रूप में रखना एक वास्तविक सम्मान की बात है क्योंकि हम एकदिवसीय का जश्न मनाते हैं और हम जानते हैं कि अब तक का सबसे बड़ा पुरुष क्रिकेट विश्व कप होने वाला है। उनके साथ खेल के नौ साथी दिग्गज भी शामिल हैं। इससे पहले बीसीसीआई ने भी उन्हें सम्मानित किया। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने विश्व कप के शुरु होने पहले उन्हें गोल्ड टिकट देकर सम्मानित किया था। इससे अलावा सचिन को विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने के लिए गोल्ड बैट से नवाजा गया था। इस महान बल्लेबाज ने

क्रिकेट विश्व कप के 6 टूर्नामेंट खेले हैं और 2011 संस्करण में विश्वकप विजेता भारतीय टीम में वह शामिल रहे थे। अब विश्वकप की शुरुआत के ठीक पहले ही उन्हें ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर की जिम्मेदारी मिलना अहम उपलब्धि है।

विश्वकप में बड़ी पारियों खेल सकते हैं रोहित : बांगड़

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा विश्वकप में बड़े शतक लगा सकते हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच रहे बांगड़ का मानना है कि रोहित शुरुआत में समय लेने के बाद तेजी से खेल सकते हैं। बांगड़ ने कहा कि रोहित ने हाल के दिनों में इसी को देखते हुए अधिक आक्रामक रुख अपनाया होगा। साथ ही कहा कि उन्हें मैदान पर समय बिताने के बाद लय हासिल होने पर शतकीय पारी खेलने का भी अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें एकदिवसीय खिलाड़ी के रूप में भारी सफलता मिली है। उसने अपना शतक 30वें ओवर के आसपास बनाया है। इसके साथ ही उन्होंने तीन दोहरे शतक भी लगाये हैं। इन शतकों के दौरान देखा गया कि उनकी बल्लेबाजी में तेज अंतिम 10-12 ओवरों में आई। उन्होंने कहा, रोहित अगर 35 ओवर तक खेल जाते है, तो भारत का स्कोर 350 के आसपास होना तय है। वह उस तरह के मैच विजेता खिलाड़ी हैं जो कभी भी रुख पलट सकते हैं। मुझे पता है कि वह कुछ अन्य चीजें करने की कोशिश कर रहा है। जिससे मुकाबले को गेंदबाजों से दूर ले जाया जा सके। उनके पास सलामी जोड़ीदार के तौर पर शुभमन गिल जैसा खिलाड़ी है। वह रोहित के साथ मिलकर भारत के लिए एक बड़ा स्कोर बनाने में एक शानदार साझेदार साबित होंगे। उनके रहने से रोहित को जोखिम उठाने का भी अवसर मिलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इस प्रदेश में देख सकते हैं भारत का सफेद रेगिस्तान

वैसे तो भारत में पर्यटन स्थलों की कमी नहीं है जिस तरफ (उत्तर, दक्षिण, पूरब पश्चिम) भी आप रुख करे आपको खूबसूरत नजारे ही देखने को मिलेंगे। आइए इस बार पश्चिम की ओर रुख करते हैं। सिन्धु घाटी की सभ्यता, स्वतंत्रता सेनानियों और तराशे गए हिरों के लिए प्रसिद्ध गुजरात भारत के पश्चिम भाग का एक महत्वपूर्ण प्रदेश है। उद्योग के लिए विख्यात गुजरात राज्य ने पिछले कुछ वर्षो से खुद को पर्यटन स्थल के रूप में भी स्थापित किया है। वास्तव में अगर देखें तो गुजरात में कुछ ऐसे अद्भुत पर्यटक स्थल है जो अपने खूबसूरत आकर्षण के लिए जानी जाती है। मंदिरों और वन्यजीव के अलावा इस प्रदेश में वास्तुकला की एक अनुपम कृति भी महसूस की जा सकती है।

ग्रेट रण ऑफ कच्छः अगर आप गुजरात आएं और आपने ग्रेट रण ऑफ कच्छ नहीं देखा तो समझों की कुछ नहीं देखा। कच्छ को सफेद रेगिस्तान का नाम दिया गया है। लगभग 16 वर्ग किलोमीटर में फैला यह क्षेत्र अपने नमक उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। अगर आप मानसून के समय कच्छ की ओर रुख करते हैं तो आपको और ज्यादा मजा आएगा।

द्वारकाः हिंदुओं के चार धामों और सप्त पुरियों में से एक गुजरात की द्वारिकापुरी मोक्ष तीर्थ के रूप में जानी जाती है। पूर्णावतार श्रीकृष्ण के आदेश पर विश्वकर्मा ने इस नगरी का निर्माण किया था जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने मथुरा से सब यादवों को लाकर यहां बसाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर पूरी दुनिया से श्रद्धालु इस तीर्थस्थल की ओर रुख करते हैं।

सोमनाथः ऐतिहासिक लूट और पुनर्निर्माण की कहानी लिए गुजरात का सोमनाथ मंदिर हमेशा से विदेशी सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। इस भव्य मंदिर को हम भगवान शिव के बारहवें ज्योतिर्लिंग के नाम से भी जानते हैं। यह जगह केवल मंदिर के लिए नहीं बल्कि अन्य पर्यटन केंद्रों के लिए भी विश्वविख्यात है। सोमनाथ में अन्य पर्यटन और तीर्थ स्थलों में अहिल्याबाई मंदिर, सूरज मंदिर, त्रिवेणी घाट, प्रभास पाटन संग्रहालय और जूनागढ़ गेट शामिल हैं।

गिर वन राष्ट्रीय उद्यान

गिर वन राष्ट्रीय उद्यान 'बाघ संरक्षित क्षेत्र' है, जो 'एशियाई बब्बर शेर' के लिए विश्व प्रसिद्ध है। वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां देखने के लिए यह उद्यान आपके लिए उपयुक्त जगह साबित हो सकती है। गिर पश्चिमी भारत का सबसे बड़ा शुष्क पर्णपाती वन माना जाता है। यहां की वनस्पति में सागौन, साल और ढाक (ब्यूटिया फ्रोंडोसा) जैसे पर्णपाती वृक्षों सहित कांटेदार जंगल शामिल हैं।

भुजः हस्तशिल्प को लेकर आपके अंदर दिलचस्पी है तो आप गुजरात के भुज में कुछ समय बिता सकते हैं। यह जगह ठप्पे की छपाई का कपड़ा, बंधेज, चांदी का सामान और कढ़ाई वाले वस्त्रों के अलावा यह कच्छी हस्तशिल्प के लिए भी विख्यात है। भुज पहुंचते ही आप हस्तशिल्प के कलाकारों से तो मिल ही सकते हैं। साथ ही हस्तशिल्प प्रदर्शनी का फायदा भी उठा सकते हैं।

तटीय दीव में पर्यटकों के लिए है बहुत कुछ

यह स्थान वर्ष 1961 से पहले पुर्तगाली शासन के अधीन था तथा गोवा और दमन के साथ ही इसे स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी। ठंडी समुद्री हवा के झोकों तथा प्रदूषण रहित वातावरण के कारण यहां आकर सैलानियों को काफी राहत महसूस होती है।

लंबे विदेशी शासन के कारण दीव के भवनों, किलों, भाषा व संस्कृति तथा जीवनशैली पर पुर्तगाली सभ्यता का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। यहां गुजराती, हिन्दी, अंग्रेजी तथा पुर्तगाली भाषाएं बोली व समझी जाती हैं। यहां के निवासियों को फूलों से बेहद लगाव है इसलिए लगभग हर मकान में फूलों के पौधे आपको अवश्य देखने को मिलेंगे।

दीव का प्रमुख आकर्षण यहां का किला है जोकि लगभग 5.7 हेक्टेयर क्षेत्र में बना हुआ है और सागर के अंदर समाया हुआ प्रतीत होता है। इस किले का निर्माण वर्ष 1535-41 के बीच में गुजरात के सुलतान बहादुरशाह व पुर्तगालियों द्वारा किया गया था। किले के बीच में पुर्तगाली योद्धा %डाम नूनो डी कुन्हा% की कांसे की मूर्ति भी बनी हुई है। यहां एक प्रकाश स्तंभ भी बना हुआ है जहां से पूरे दीव का नजारा दिखता है। प्रकाश स्तंभ से आवाज देने पर उसकी प्रतिध्वनि भी सुनाई देती है।

पानीकोट का दुर्ग पत्थर की विशाल शिलाओं से बना हुआ है। यह दुर्ग एक समुद्री जहाज के आकार का नजर आता है। इस सुंदर दुर्ग तक पहुंचने के लिए नाव अथवा मोटरबोट की सहायता लेनी पड़ती है क्योंकि यह खाड़ी के मुहाने पर तट से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। दुर्ग के बीचोंबीच एक गिरजाघर व प्रकाश स्तंभ भी है।

आप सेंट पाल चर्च भी देखने जा सकते हैं। वर्ष 1610 में बनी यह चर्च धार्मिक और ऐतिहासिक, दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण है। आप दीव घूमने आए ही हैं तो नगोआ बीच जरूर जाएं। इस बीच को भारत के सुंदरतम तटों में से एक माना जाता है। इसका आकार घोड़े की नाल के समान है, जिस पर सुनहरी रेत बिखरी हुई है। इसकी लंबाई दो किलोमीटर है तथा रहने के लिए यहां तंबू लगाने की सुविधा भी है।

सनसेट प्वाइंट सागर तट की गरजती लहरों के बीच एक पहाड़ी पर स्थित है। यहां पर एक उद्यान और ओपन एअर थियेटर बनाया गया है तथा स्नान के बाद कपड़े बदलने के लिए कमरों की भी व्यवस्था है।

दीव के अन्य दर्शनीय स्थलों की बात करें तो केवड़ी में स्थित संगीत फुहारे, सेंट थामस चर्च, नवलखा पार्श्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, जामा मस्जिद, दीव संग्रहालय, गोमती माता सागर तट, घोघला सागर तट व मांडवी नगर आदि प्रमुख हैं। दीव में एक विचित्र आकार का ताड़ का पेड़ होता है जिसमें ऊपर एक के स्थान पर दो तने होते हैं, यह पेड़ अंग्रेजी के %वाई% आकार का दिखता है, इसको होक्का ताड़ भी कहते हैं।

दीव के हवाई अड्डे पर जेट एअर की मुंबई से प्रतिदिन की उड़ाने हैं। यदि यहां रेल मार्ग से आना चाहें तो आपको निकटतम रेलवे स्टेशन वेरावल पड़ेगा। जहां से आपको दीव तक के लिए बस सेवा उपलब्ध हो जाएगी।

ब्यूटीफुल चंडीगढ़

अपने देश में ऐसे बहुत से पर्यटन स्थल हैं जिनकी खूबसूरती की तस्वीर ताउम्र हमारे मन में अंकित हो जाती है। लेकिन कुछ ऐसे स्थल भी हैं जो हमें प्राकृतिक खूबसूरती के साथ-साथ पर्यटन का एक नया, अलग-सा, खुशगवार और न भूलने वाला अहसास दे जाते हैं। ऐसे ही स्थलों में से एक है पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़। पूरे डिजाइन और तरतीब से बनी इस शहर की इमारतों तथा इसकी स्वच्छता को देखते हुए इस शहर को ब्यूटीफुल सिटी कहा जाता है

चंडीगढ़ के प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं

➔**रॉक गार्डनः** कैपिटल परिसर और सुखना झील के बीच सेक्टर एक में बसा यह गार्डन चंडीगढ़ का एक बेहतरीन पर्यटन स्थल है। इसकी संरचना किसी भी व्यक्ति को अपने मोहपाश में बांध लेती है। इस गार्डन की नींव 1957 में ही नेक चंद ने रखी थी। नेक चंद चंडीगढ़ राजधानी परियोजना के इंजीनियरिंग विभाग में रोड इंस्पेक्टर थे। रॉक गार्डन अनोखा गार्डन है। इस गार्डन की खासियत यह है कि इसमें जितनी भी मूर्तियां और अन्य रचनाएं बनाई गई हैं, वे औद्योगिक और शहरी कचरे- जैसे संगमरमर के टुकड़े, चीनी मिट्टी के बर्तन, ऑटो पार्ट्स, टूटी चूड़ियां, स्लेट के टुकड़े, नाई की दुकान के बाल, शीतल पेय की बोतलें, धातु के तार, सीमेंट, कंक्रीट, वॉश बेसिन आदि कई बेकार चीजों से तैयार की गई हैं। ये नेक चंद की अनूठी रचनात्मकता के जीते-जागते उदाहरण हैं। पार्क को 1976 में जनता के लिए खोला गया था। 1983 में यह गार्डन भारतीय डाक टिकट पर भी छपा था।

चालीस एकड़ में फैले इस गार्डन की मूर्तिकला किसी अजूबे से कम नहीं है। रोजाना लगभग पांच हजार लोग इसे निहारते हैं। अलग-अलग हिस्सों में बंटे इस गार्डन में राजा का दरबार, न्यायालय, संगीत चैम्बर, नर्तक चैम्बर, देवी-देवताओं का चित्रण, दीवारों पर उकेरी गयी आकर्षक डिजाइन, मानव निर्मित झरने, एक खुला थियेटर, महल परिसर, ग्रामीण परिवेश, पक्षी, जानवरों की मूर्तियां आदि यहां के महत्व को दर्शाते हैं। इसे देखने के लिए टिकट लगता है जो बच्चों के लिए तीन रुपये और बड़ों के लिए पांच रुपये का है। एक अप्रैल से 30 सितम्बर के बीच आप इस गार्डन को सुबह नौ बजे से सायं सात बजे तक देख सकते हैं जबकि सर्दियों में यह एक अक्टूबर से 31मार्च तक नौ बजे से छह बजे तक का खुला रहता है।

➔**रोज गार्डनः** चंडीगढ़ का एक अन्य आकर्षण है रोज गार्डन। इसे जाकिर हुसैन गार्डन भी कहा जाता है। इस गार्डन को पूर्व राष्ट्रपति जाकिर हुसैन और डॉ. एम. एस. के मार्गदर्शन में 1967 में बनवाया गया था। इस गार्डन में 1,600 विभिन्न प्रजातियों के 50,000 गुलाबों की झाड़ियों के साथ एक वनस्पति उद्यान है। इसे एशिया का सबसे बड़ा रोज गार्डन होने का भी गौरव प्राप्त है। यह गार्डन स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक व अन्य आयोजनों का मेजबानी स्थल भी है।

➔**सुखना झीलः** शिवालिक पहाड़ियों की तलहटी में स्थित यह कृत्रिम झील चंडीगढ़ का एक अभिन्न अंग है। झील का निर्माण स्विस वास्तुकार ली. कार्बुजियर और मुख्य अभियंता पी. एल. वर्मा ने 1958 में करवाया था। इस झील में पर्यटक फोटोग्राफी के साथ बोटिंग का मजा ले सकते हैं। इस खूबसूरत झील में रोजाना पर्यटकों और स्थानीय लोगों का जमावड़ा लगा रहता है। सर्दियों में यह झील साइबेरियाई बत्तख, स्टार्क और क्रेन जैसे विदेशी प्रवासी पक्षियों के लिए एक अभयारण्य का कार्य करती है। झील को भारत सरकार द्वारा संरक्षित राष्ट्रीय आर्द्रभूमि के रूप में मान्यता है। इस झील के किनारे हर वर्ष बहुत से उत्सव और समारोह आयोजित किये जाते हैं।

➔**राजकीय संग्रहालय और आर्ट गैलरी :** सेक्टर- 10 स्थित संग्रहालय और आर्ट गैलरी 1968 में निर्मित की गई थी। इस गैलरी को निहारना एक सुखद अनुभूति प्रदान करता है। यह गांधार पत्थर की मूर्तियों के साथ लघु चित्र, सजावटी कला, सिक्के तथा प्रागैतिहासिक जीवाश्मों को निहारने का एक आदर्श स्थल है।

➔**खुले हाथ स्मारकः** खुले हाथ स्मारक प्रसिद्ध वास्तुकार ली. काबरुजियर की रचना है। भारत के महत्वपूर्ण स्मारकों में से एक यह स्मारक सेक्टर एक में स्थित है। इस स्मारक में लगभग 14 फुट ऊंचा और 50 टन वजन का एक विशाल हाथ बनाया गया है जो हवा की दिशा का संकेत देता है। इसके अलावा, चंडीगढ़ गोल्फ क्लब, शंकर इंटरनेशनल डॉल म्यूजियम तथा चंडीगढ़ से लगभग 17 किलोमीटर दूर जिरकपुर में छतबीर चिड़ियाघर अन्य प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं। छतबीर चिड़ियाघर का मुख्य आकर्षण लायन सफारी है।

➔**कब करें यात्रा :** चंडीगढ़ के लिए आप पूरे साल और किसी भी मौसम में आकर यहां का आनंद ले सकते हैं।

➔**कैसे पहुंचें :** चंडीगढ़ हर हिस्से से सड़क मार्ग से जुड़ा है। अतः यहां किसी भी वाहन द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है। चंडीगढ़ में ही रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डा है, जिनके चलते पर्यटकों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। दिल्ली से चंडीगढ़ की दूरी लगभग 250 किमी है।

दुबारा एलियन को ढूंढने का अभियान शुरू कर रही नासा

वाशिंगटन ।अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने कहा है कि वह दोबारा, एलियन को ढूंढने का अभियान शुरू कर रही है।इस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मार्क मैक्नर्नी को सौंपी है।उन्हें प्रोजेक्ट का डायरेक्टर बनाया गया है।नासा ने यूएफओ का नाम भी बदल दिया है और इसे यूएपी नाम दिया है।मार्क मैक्नर्नी, लंबे वक्त से अमेरिकी स्पेस एजेंसी के साथ जुड़े हैं।पहले डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस के साथ लाइजनिंग का काम देखते थे।मैक्नर्नी, को नासा के पुराने यूएफओ प्रोजेक्ट्स की भी अच्छी जानकारी है। उनके अनुभव को देखते हुए ही उन्हें यह अहम जिम्मा सौंपा गया है।जानकारी के मुताबिक, 'मार्क, नासा की कम्युनिकेशन टीम से क्वार्डिनेट करेंगे और एक विस्तृत डाटाबेस तैयार करेंगे।ताकि यूएपी के बारे में कोई ठोस सबूत हासिल किया जा सके'।नासा ने अपने स्टेटमेंट में कहा है कि मार्क मैक्नर्नी, एजेंसी की अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से यूएफओ के बारे में और डाटा हासिल करेंगे।नासा के प्रशासनिक अधिकारी बिल नेल्सन ने कहा कि इस बार हमारा अभियान साफ है।हम ब्रह्मांड में जीवन की खोज पर फोकस करेंगे। नेल्सन ने कहा कि मुझे लगता है कि ब्रह्मांड में जीवन की संभावना मौजूद है। लगातार इसके संकेत मिलते रहे हैं, लेकिन कोई ठोस सबूत नहीं है।इस बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और सैटेलाइट डाटा के जरिए ठोस जानकारी हासिल करने की कोशिश है। नासा के मुताबिक पिछले दो दशक यानी 20 सालों में 120 एलियन ऑब्जेक्ट्स देखे गए हैं। अमेरिकी सेना के तमाम पायलट ने भी ऐसे ऑब्जेक्ट्स देखने का दावा किया है। हालांकि ये ऑब्जेक्ट क्या हैं, कहां से आए? इसके बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं है। नासा को उम्मीद है कि नए प्रोजेक्ट के जरिये इन सवालों का कोई ठोस जवाब निकलेगा। नासा ने हाल ही में यूएफओ से जुड़ी एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की। 36 पेज की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 'अभी तक जो सैकड़ों यूएफओ देखे गए हैं, उनके पीछे कोई और शक्ति है, इस बात के ठोस सबूत नहीं हैं।लेकिन यह साफ है कि ये चीजें हमारी सौर प्रणाली से गुजरने के बाद ही धरती तक आई होंगी'।रिपोर्ट में इस बात से भी इनकार नहीं किया गया है कि हमारे सौरमंडल में कोई एलियन टेक्नोलॉजी हो सकती है।अभी तक जो एलियन ऑब्जेक्ट्स दिखे हैं, उनका विश्लेषण करेंगे और पता लगाएंगे कि क्या इनका संबंध किसी दूसरे ग्रह से है? ये किसी दूसरे ग्रह की सेना का हिस्सा तो नहीं हैं?

बुशरा बीबी को डर, इमरान को जेल में दिया जा सकता हैं जहर

लाहौर ।पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने जेल में अपने पति के लिए अधिक सुरक्षा की मांग के लिए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) का दरवाजा खटखटाया। उन्हें डर हैं कि उन्हें जहर दिया जा सकता है।5 अगस्त को तोशाखाना मामले में दोषी साबित होने के बाद से इमरान जेल में बंद हैं।यह मामला सरकार में रहते हुए उन्हें मिले उपहारों का उचित तरीके से खुलासा करने में उनकी कथित विफलता से संबंधित है।जेल में अपने पति की सुरक्षा पर चिंता जताकर बुशरा बीबी ने आईएचसी में एक याचिका दायर की। बुशारा ने चिंता व्यक्त की कि खाने में छेड़छाड़ के द्वारा इमरान खान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा सकती है, उन्होंने कहा कि उनके पति को जेल मैनुअल में उल्लिखित सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।अपनी याचिका में बुशरा बीबी ने पिछले उदाहरणों का उल्लेख किया जहां अन्य कैदियों को घर का बना भोजन जैसे कुछ विशेषाधिकार प्रदान किए गए थे, लेकिन उनके पति को इसतरह के विशेषाधिकारों से वंचित कर दिया गया है।जेल मैनुअल के मुताबिक, इमरान खान को जेल में टीवी, अखबार, नौकर, गद्दा, कुर्सी और टेबल जैसी सुविधाएं दी जानी थीं। उन्होंने आईएचसी से हस्तक्षेप करने और जेल में उसके पति को उचित सुविधाओं के प्रावधान के संबंध में अदालत के आदेशों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बाल्टीमोर में विश्वविद्यालय परिसर के पास गोलीबारी में चार घायल

न्यूयॉर्क।अमेरिका में मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी के पास हुई गोलीबारी में कम से कम चार लोग घायल हो गए है।बाल्टीमोर पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।एनबीसी न्यूज ने बाल्टीमोर पुलिस प्रवक्ता के हवाले से कहा, 'आज रात कम से कम चार लोगों को गोली मार दी गई।' प्रवक्ता ने कहा कि चोटों को जानलेवा नहीं माना जा रहा है।बाल्टीमोर पुलिस ने एक्स पर कहा कि इस घटना को अब सक्रिय शूटर की स्थिति नहीं माना जाता है।यूनिवर्सिटी ने एक्स पर लिखा, यूनिवर्सिटी कैंपस में शेल्टर-इन-प्लेस आदेश हटा दिया गया है। गन वायलेंस आर्काइव ने कहा कि अमेरिका में पिछले वर्षों की तुलना में 2023 में बड़े पैमाने पर गोलीबारी की घटनाओं में वृद्धि हुई है।पिछले एक दशक में चार या अधिक लोगों के मारे जाने या घायल होने वाली सामूहिक गोलीबारी के मामलों की संख्या लगभग तीन गुना हो गई है।2014 में अमेरिका में ऐसे 272 मामले दर्ज किए गए।गोलीबारी के मामलों की संख्या 2020 में 610 हो गई और तब से यह बढ़ रही है।

लोन धोखाधड़ी मामले में भारतीय मूल के 2 लोग दोषी, हो सकती है 5 साल की सजा

न्यूयॉर्क। अमेरिका मे भारतीय मूल के दो लोगों को पेचेक प्रोटेक्शन प्रोग्राम (पीपीपी) लोन में धोखाधड़ी से लाखों डॉलर प्राप्त करने और मनी लौंडरिग करने के मामले में दोषी ठहराया गया है।न्याय विभाग के एक बयान में सोमवार को कहा गया कि 41 वर्षीय निशांत पटेल, 49 वर्षीय हरजीत सिंह और तीन अन्य लोग झूठे और फर्जी पीपीपी लोन आवेदन जमा कर एसबीए और कुछ एसबीए-अप्रूव्ड पीपीपी ऋणदाताओं को धोखा देने की साजिश में शामिल थे। सभी पांच प्रतिवादियों ने ब्लैंक चेक प्रदान कर धोखाधड़ी से प्राप्त पीपीपी लोन फंड को वैध बनाने में भी सहायता की, जो उन लोगों को देय थे जो पीपीपी लोन प्राप्त करने वाली कंपनियों के कर्मचारियों के रूप में प्रस्तुत किए गए थे, लेकिन जो वास्तव में कर्मचारी नहीं थे।अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, इन फर्जी पे-चेक को कैशिंग स्टोर्स पर भुनाया गया, जिन पर साजिश के अन्य सदस्यों का नियंत्रण था। साजिश के हिस्से के रूप में, पटेल ने लगभग 474,993 डॉलर की राशि वाला पीपीपी लोन प्राप्त किया और सिंह ने लगभग 937,379 डॉलर की राशि वाले दो झूठे और धोखाधड़ी वाले पीपीपी लोन प्राप्त किए।अन्य तीनों द्वारा प्राप्त कुल राशि 1.4 मिलियन डॉलर से अधिक थी।उन सभी पांचों को वायर धोखाधड़ी की साजिश के एक मामले में दोषी ठहराया गया, और 4 जनवरी, 2024 को सजा सुनाई जानी है।उन्हें कुल अधिकतम पांच साल की जेल की सजा का सामना करना पड़ेगा।

अवैध अफगानियों को बाहर निकालने के अल्टीमेटम से भड़का तालिबान, कहा- ये अस्वीकार्य है

काबुल में तालिबान प्रशासन के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि अवैध अफगान प्रवासियों को जबरन बाहर निकालने की पाकिस्तान की धमकी अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सुरक्षा समस्याओं के लिए अफगान जिम्मेदार नहीं हैं।यह अनुमान लगाते हुए कि पाकिस्तान में 1.73 मिलियन अफगान अप्रवासी बिना किसी कानूनी स्थिति के रह रहे हैं, पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने उन्हें छोड़ने या जबरन निष्कासन का सामना करने के लिए 1 नवंबर की समय सीमा तय की है।काबुल में तालिबान प्रशासन के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अफगान शरणार्थियों के प्रति पाकिस्तान का व्यवहार अस्वीकार्य है। कार्रवाई को सही ठहराने में मदद के लिए पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री सरफराज बुगती ने आरोप लगाया कि इस साल पाकिस्तान में 24 आत्मघाती बम विस्फोटों में से 14 को अफगान नागरिकों ने अंजाम दिया था। तालिबान प्रवक्ता ने उस दावे को खारिज कर दिया। मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तानी पक्ष को अपनी योजना पर पुनर्विचार करना चाहिए। अफगान शरणार्थी पाकिस्तान की सुरक्षा समस्याओं में शामिल नहीं हैं। जब तक वे स्वेच्छा से पाकिस्तान छोड़ते हैं, देश को उन्हें बर्दाश्त करना चाहिए।अप्रवासियों के लिए पाकिस्तान का अल्टीमेटम, जिनमें से अधिकांश देश में वर्षों से रह रहे हैं, शुक्रवार को दो आत्मघाती बम विस्फोटों के बाद कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए नागरिक और सैन्य नेताओं की एक बैठक के बाद आया, जिसमें कम से कम 57 लोग मारे गए। बुगती ने कहा कि आत्मघाती हमलावरों में से एक अफगान नागरिक था, और उन्होंने भारत की खुफिया एजेंसी पर भी शामिल होने का आरोप लगाया।

चीन से आ रही आर्थिक सुनामी में डूब जाएगा अमेरिका

-अमेरिकी विशेषज्ञों में जाहिर की चिंता

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिका सहित कई देश क्रिसमस का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन उन्हें मालूम है इस बार क्रिसमस की छुट्टियां आसान नहीं होने वाली हैं। आर्थिक विशेषज्ञों ने कहा है कि इस बार की सर्दियां तंगी लेकर आने वाली होगी जिसकी वजह होगा चीन। अमेरिका को चीन के आर्थिक पतन में अब अपना भविष्य दिख रहा है। कई विशेषज्ञों के मुताबिक प्रशांत महासागर की ओर से आ रही बर्बादी अमेरिका में दस्तक दे उससे पहले देश को अपना रास्ता सुधारने की सख्त जरूरत है।

एक आर्टिकल में कहा गया है कि मीडिया में यह बात सामने आ चुकी है कि चीन का 40 सालों से चला आ रहा जो स्वर्ण काल चल रहा था, वह अब खत्म हो चुका है। यह सोचने की जरूरत है कि ऐसा क्यों हो रहा है। इसके बाद इस तबाही से बचना बहुत जरूरी है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर चीन की अर्थव्यवस्था की बुनियाद है। यह दशकों से इसकी अर्थव्यवस्था का मुख्य आधारर हा है और अब खस्ताहाल है। दूसरी ओर खरबों डॉलर वाला रीयल एस्टेट मार्केट भी अस्थिर कर्ज दरों की वजह से ढह रहा है। साथ ही जिस इंफ्रास्ट्रक्चर इंडस्ट्री को असाधारण माना जाता था अब वह भी बुरे दौर में है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी भी जिस तरह से डरी हुई है, उससे स्टॉक मार्केट में चीनी युआन की कीमतों पर भी असर पड़ रहा है।

सीसीपी ने आर्थिक आंकड़ों को जारी करना भी बंद कर दिया है। साथ ही ऐतिहासिक रूप से युवा बेरोजगारी भी उच्च स्तर है और इस समस्या को भी नजरअंदाज कर दिया जा रहा है। कई आर्थिक विशेषज्ञ इस राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अक्षमता का नतीजा बता रहे हैं। उनकी पार्टी राजनीतिक रूप से पसंदीदा उद्योगों और सरकार के नियंत्रण वाले उद्यमों के लिए खरबों डॉलर भेजती है। जबकि उन उद्यमियों और बाजारों को दबाने में लगी रही जिन्होंने 40 साल पहले चीन को प्रमुखता से आगे बढ़ाना शुरू किया था। जिनपिंग के शासन में अब चीन पांच फीसदी की वृद्धि दर भी बमुश्किल हासिल कर पा रहा है। यह एक विकासशील देश के लिए औसत दर्जे का है।

चीन के नागरिक जो पिछले काफी सालों से चमत्कारिक विकास के आदी थे, उन्हें यह आंकड़ा निराश करने वाला है। नागरिकों का भरोसा भी सीसीपी पर से खत?म हो रहा है। वे अब खर्च और निवेश से पीछे हटने लगे हैं। अमेरिकी विशेषज्ञों ने स्थिति को निराशाजनक बताया है। उनका कहना है कि कोई भी चीन की गलतियों को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। वहीं गलतियां अमेरिका में भी हो रही हैं। अर्थव्यवस्था में अमेरिकी सरकार का दखल बढ़ने लगा है और इस वजह से देश में हड़ताल संस?कृति भी चीन की तर्ज पर आगे बढ़ रही है। उच्च करों और व्यापार के लिए सख्त नियम अब आम बात हो गई है। बाइडन प्रशासन भी जिनपिंग की तरह ही राजनीतिक रूप से पसंदीदा व्यवसायों और वोटिंग ब्लॉकों में खरबों का निवेश कर रहा है। यह बड़े खतरे की घंटी है जिस पर अलर्ट होना होगा। वहीं अर्थव्यवस्था में नई मुद्रा को डालकर इस को प्रोत्साहित करने की कोशिशें की जा रही हैं। इसका नतीजा है कि महंगाई 40 सालों में उच्च स्तर पर पहुंच गई है। जबकि कमजोर विकास ने अमेरिकियों को निराश कर दिया है।

वेनिस ओवरपास से गिरी बस, 21 लोगों की मौत

रोम। इटली के नहरों वाले शहर वेनिस के पास एक बस के ओवरपास से ट्रेन की पटरियों के पास गिरने और फिर उसमें आग लगने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई।हादसे में कई लोग घायल भी हुये हैं, हालांकि स्थानीय मीडिया की रिपोर्टों में उनकी संख्या अलग-अलग बताई जा रही है। अनुमान है कि 12 से 40 लोग घायल हुए हैं जिनमें से कम से कम दो की हालत गंभीर है।इसके अतिरिक्त, 'कई' अन्य के लापता होने की भी सूचना है।मंगलवार को आई रिपोर्ट में कहा गया है कि मरने वालों की संख्या अभी भी बढ़ सकती है। घायलों का इलाज क्षेत्रीय अस्पतालों में चल रहा है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि एक बस वेनिस के मेस्त्रे क्षेत्र में वेम्पा ओवरपास पर लगी बाड़ को तोड़ते हुए लगभग 10 मीटर नीचे रेल की पटरियों के पास एक खाली क्षेत्र में गिर गई। कथित तौर पर गिरते ही बस में आग लग गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने 'व्यक्तिगत और सरकार की ओर से गहरी संवेदना' व्यक्त की और कहा कि वह घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रही हैं।रोम के क्विरिनले पैलेस ने कहा कि इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेल्ला ने वेनिस के मेयर लुइगी ब्रुगनारो को फोन करके इस त्रासदी पर दुःख व्यक्त किया है। ब्रुगनारो ने सोशल मीडिया पर कहा, 'आज शाम हमारे समुदाय में एक बड़ी त्रासदी हुई।' उन?होंने कहा कि 'बस गिरने से मरने वाले अनेकों लोगों की याद में' आधिकारिक शोक का आह्वान किया गया है। ब्रुगनारो ने इसे 'एक सर्वनाशकारी दृश्य' कहा।वेनिस शहर ने सोशल मीडिया पर कहा कि वेम्पा ओवरपास, जहां त्रासदी हुई थी, यातायात के लिए बंद कर दिया गया है, और पुलिस तथा फायरफाइटर जीवित बचे लोगों की तलाश करने, घायलों की मदद करने और स्थिति का आकलन करने के लिए घटनास्थल पर हैं।

संबंध सुधारने के लिए निजी बातचीत करना चाहते हैं...

मोदी का तगड़ा एक्शन देख गिड़गिड़ाने लगे ट्रूडो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत द्वारा कथित तौर पर कनाडा से अपने 41 राजनयिकों को भारत से वापस बुलाने के लिए कहने के बाद कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि देश राजनयिक संकट को हल करने के लिए नई दिल्ली के साथ निजी बातचीत करना चाहता है। कनाडाई मंत्री ने कहा कि हम भारत सरकार के संपर्क में हैं। हम कनाडाई राजनयिकों की सुरक्षा को बहुत गंभीरता से लेते हैं और हम निजी तौर पर बातचीत करना जारी रखेंगे क्योंकि हमारा मानना ??है कि राजनयिक बातचीत तब सबसे अच्छी होती है जब वे निजी रहती हैं।

भारत ने कथित तौर पर कनाडा से 10 अक्टूबर तक लगभग 40 राजनयिकों को वापस लेने के लिए कहा। रिपोर्टों के अनुसार, सरकार ने समय सीमा के बाद देश में रहने वाले किसी भी कनाडाई राजनयिक की राजनयिक प्रतिरक्षा छीनने की भी धमकी दी है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने कनाडा से भारत में अपनी राजनयिक उपस्थिति 62 से घटाकर 41 राजनयिकों तक करने का अनुरोध किया है। हालाँकि, अभी तक, न तो भारत और न ही कनाडा ने आधिकारिक तौर पर रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी है। एक अन्य घटनाक्रम में कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उनका देश भारत के साथ स्थिति को आगे बढ़ाने पर विचार नहीं कर रहा है।

कनाडा नई दिल्ली के साथ जिम्मेदारीपूर्वक और रचनात्मक रूप से जुड़ना 'जारी रखेगा। ट्रूडो ने कहा कि उनकी सरकार 'कनाडाई परिवारों की मदद के लिए भारत में ज़मीन पर रहना चाहती है। ट्रूडो द्वारा खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर, एक कनाडाई नागरिक की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाने के बाद हाल ही में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध खराब हो गए, जिनकी 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया में दो नकाबपोश बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

राष्ट्रपति अल्वी ने क्या कर दिया ऐसा, नाखुश हैं इमरान खान

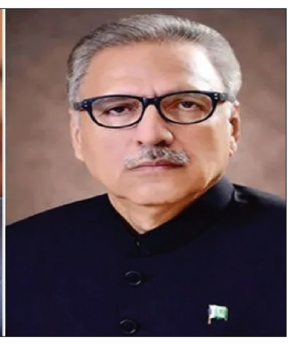

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इस बात से नाखुश हैं कि राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी संवैधानिक शक्तियों का इस्तेमाल नहीं किया कि नेशनल असेंबली के डिसॉल्व होने के 90 दिनों के भीतर आम चुनाव हों। इमरान खान की बहन ने बुधवार को इस बात का खुलासा किया है। जिन्ना हाउस हमले की सुनवाई के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अलीमा ने कहा कि उनके भाई और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष इस बात से नाराज थे कि राष्ट्रपति ने घोषणा करने के बजाय केवल चुनाव के लिए कट-ऑफ तारीख की घोषणा की।

अलीमा ने यह भी कहा कि 70 वर्षीय खान जेल में वजन कम होने के बावजूद जेल में बहुत उत्साहित थे। पिछले महीने पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) प्रमुख को लिखे एक पत्र में पीटीआई के संस्थापक सदस्य अल्वी ने सुझाव दिया था कि संविधान के अनुच्छेद 48(5) के अनुसार, राष्ट्रपति के पास चुनाव कराने का अधिकार है। नेशनल असेंबली के विघटन के 90 दिनों के भीतर आयोजित किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति का पत्र जाहिर तौर पर उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया।

अमेरिकी संसद के इतिहास में पहली बार स्पीकर को पद से हटाया गया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर रिपब्लिकन पार्टी के केविन मैक्कार्थी को देश के इतिहास में पहली बार एक ऐतिहासिक विधायी वोट में पद से हटा दिया गया। मैक्कार्थी ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि वह दोबारा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगे और उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह कांग्रेस से इस्तीफा देंगे या नहीं। मैक्कार्थी को हटाने के प्रयास का नेतृत्व साथी रिपब्लिकन मैट गेट्ज़ ने किया था, जो कट्टरपंथियों के एक समूह के सदस्य हैं और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ जुड़ाव के लिए अक्सर 'एमएजीए' विंग कहा जाता है, जिनके अभियान का नारा 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) है। मैक्कार्थी की विदाई की कहानी का सूत्र उसके स्पीकर बनने की कहानी में ही रख दिया गया था। उन्हें जनवरी में अपनी ही पार्टी के भीतर एक लंबी लड़ाई में अध्यक्ष पद हासिल हुआ जो उनकी जीवन भर की महत्वाकांक्षा थी। उन्होंने 15वें दौर के मतदान में कट्टरपंथियों के साथ एक समझौते में जीत हासिल की, जिन्होंने यह रियायत ली थी कि कोई भी एक सदस्य उन्हें हटाने की पहल कर सकता है। गेट्ज़ ने स्पीकर के पद से उन्हें हटाने के लिए प्रस्ताव पेश करने के लिए उस शर्त का उपयोग किया। उन्हें हाटने के पक्ष में 216 और विरोध में 210 मत पड़े जिसमें आठ रिपब्लिकन ने डेमोक्रेट के साथ मतदान किया। मतदान की अध्यक्षता करने वाले रिपब्लिकन ने कहा, 'अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष का पद रिक्त घोषित किया जाता है।' उत्तरी कैरोलिना के प्रतिनिधि पैट्रिक मैकहेनरी ने रिपब्लिकन द्वारा नए अध्यक्ष का चुनाव होने तक अंतरिम अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला। मैक्कार्थी की परेशानी का मौजूदा दौर संघीय सरकार की फंडिंग को लेकर शुरू हुआ।

कर्मचारियों को लेकर टिप्पणी करने पर कोर्ट ने ट्रंप को चुप रहने को कहा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। एक अमेरिकी न्यायाधीश ने धोखाधड़ी के एक मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर शिकंजा कसते हुए उनके खिलाफ कोर्ट के कर्मचारियों के बारे में कुछ भी नहीं बोलने का आदेश जारी किया है। ट्रंप पर आरोप है कि उन?होंने एक अदालत के क्लर्क के बारे में ÷अपमानजनक÷ टिप्पणी की थी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट का यह आदेश केवल कर्मचारियों पर की गई टिप्पणियों तक ही सीमित है। मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति ने अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ पर एक कार्यक्रम में डेमोक्रेटिक सीनेट के नेता चक शूमर के साथ प्रिंसिपल क्लर्क एलीसन ग्रीनफील्ड की एक तस्वीर पोस्ट की थी।

पोस्ट में उन्होंने ग्रीनफील्ड को 'शूमर की गर्लफ्रेंड' कहा और कहा कि उनके खिलाफ मामला खारिज कर दिया जाना चाहिए। न्यायाधीश आर्थर एंगोरोन ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन ट्रुथ सोशल पोस्ट का संदर्भ दिया और कहा कि एक प्रतिवादी ने ÷सोशल मीडिया अकाउंट पर मेरे स्टाफ के एक सदस्य के बारे में अपमानजनक, असत्य और व्यक्तिगत पहचान वाली पोस्ट पोस्ट की'। उन्होंने कहा, 'मेरे कोर्ट स्टाफ के सदस्यों पर व्यक्तिगत हमले अस्वीकार्य करता हैऔर मैं इसे किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं करूंगा।' बीबीसी ने न्यायाधीश के हवाले से कहा, 'इस आदेश का पालन नहीं करने पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।' न्यायमूर्ति एंगोरोन ने कहा कि उनके बयान को उनके स्टाफ के सदस्यों के बारे में किसी भी पोस्ट, ईमेल या सार्वजनिक टिप्पणी पर रोक लगाने वाला एक आदेश माना जाना चाहिए।

आदेश के तुरंत बाद ट्रंप के पोस्ट को हटा दिया गया। ट्रंप ने मुकदमे को 'धोखाधड़ी' और 'घोटाला' कहा है और अपने बचाव में खड़े होने का वादा किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह मामले में गवाही देंगे, उन्होंने कहा, 'हां, मैं गवाही दूंगा। उचित समय पर, मैं गवाही दूंगा।' बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति, उनके दो बेटों और ट्रंप संगठन के लिए लोन लेने के लिए अपनी संपत्तियों का मूल्य बढा चढ़ा कर पेश करने का आरोप है। अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स 250 मिलियन डॉलर और ऐसे प्रतिबंधों की मांग कर रहे हैं जो ट्रम्प परिवार को न्यूयॉर्क राज्य में व्यापार करने से रोक सकें। दोषी पाए जाने पर किसी भी प्रतिवादी को जेल की सजा नहीं होगी, क्योंकि यह एक दीवानी मामला है, आपराधिक नहीं।

अब लंदन जाना होगा और महंगा, ब्रिटिश सरकार ने बढ़ा दी वीजा फीस, भारतीय श्रमिकों, छात्रों पर क्या पड़ेगा असर?

लंदन (एजेंसी)। क्या आप लंदन जाने की प्लानिंग कर रहे हैं? तो आज से वीज़ा के लिए आपको और ज्यादा जेब ढीली करनी पड़ेगी। ब्रिटिश सरकार ने वीजा फीस बढ़ा दी है। ब्रिटिश सरकार की वीजा फीस में बढ़ोतरी 4 अक्टूबर से लागू हो गई है। वीज़ा आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी को उचित ठहराते हुए गृह कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि वीज़ा आवेदन शुल्क में वृद्धि करना सही और उचित है ताकि हम महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं को वित्त पोषित कर सकें और सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन में योगदान करने के लिए व्यापक वित्त पोषण की अनुमति दे सकें। जैसे-जैसे बढ़ोतरी लागू होती है, आइए शुल्क संरचना में बदलावों पर करीब से नज़र डालें और यह उन भारतीयों को कैसे प्रभावित करेगा, जो काम करना, अध्ययन करना या यहां तक कि देश की यात्रा करना चाहते हैं।

फीस में बदलाव

4 अक्टूबर से भारतीयों समेत सभी विदेशियों को ब्रिटेन का वीजा हासिल करने के लिए अधिक भुगतान करना होगा। छात्रों, कुशल श्रमिकों और अप्रवासियों के लिए यूके वीजा की लागत बढ़ा दी गई है। गृह कार्यालय की वेबसाइट के अनुसार, परिवार, निपटान और नागरिकता वीजा की लागत में 20 प्रतिशत की वृद्धि होगी। कार्य और यात्रा वीजा की लागत में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जो लोग अध्ययन करना चाहते हैं उन्हें और भी अधिक खर्च करना पड़ेगा। छात्र वीजा शुल्क में 35 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इसके अलावा, छात्रों के लिए आव्रजन स्वास्थ्य अधिभार 66 प्रतिशत बढ़ाकर ुु624 (62,716 रुपये) प्रति वर्ष से ुु1,035 (1.04 लाख रुपये) (और ुु470 (47,243 रुपये) से ुु776 (78,000 रुपये) कर दिया गया है। संशोधित शुल्क संरचना के अनुसार, छात्रों के लिए वीजा की कीमत अब ुु490 (49,234 रुपये) होगी। वहीं, छह महीने से कम के विजिट वीजा की पूर्व लागत ुु100 (10,039 रुपये) से बढ़कर ुु115 (11,545 रुपये) हो गई है। हालाँकि, दो साल तक के लिए वीज़ा ुु376 (37,738 रुपये) से ुु400 (40,150 रुपये) हो गया है। इसी तरह पांच साल की अवधि के लिए विजिट वीजा ुु670 (67,255 रुपये) से बढ़ाकर ुु771 (77,390 रुपये) कर दिया गया है और 10 साल तक की अवधि के लिए वीजा ुु837 (84,015 रुपये) से बढ़ाकर ुु963 कर दिया गया है।

भारतीयों पर प्रभाव

यूके वीजा के लिए शुल्क संरचना में बदलाव से भारतीयों पर काफी असर पड़ेगा। इसका एक मुख्य कारण यह है कि ब्रिटेन द्वारा जारी किए जाने वाले कुशल श्रमिकों और छात्र वीजा के मामले में भारतीय शीर्ष पर हैं। यह कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, भारतीयों को दिए गए कुशल श्रमिक वीजा में 63 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 2021-22 में 13,390 से बढ़कर 2022-23 में 21,837 हो गई। इसी तरह, हेल्थकेयर वीजा श्रेणी में, भारतीयों ने 14,485 से 29,726 तक 105 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। इसके अलावा, 2022 में विदेश पढ़ने गए 770,000 भारतीय छात्रों में से 140,000 यूके गए। दरअसल, इस साल फरवरी में, भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने कहा था कि भारतीय नागरिकों को सबसे अधिक संख्या में छात्र वीजा प्राप्त हुए हैं, जिससे देश में प्रायोजित अध्ययन वीजा जारी करने वाले सबसे बड़े राष्ट्रीयता के रूप में चीन को पछाड़ दिया गया है। ब्रिटेन के वीज़ा शुल्क में बढ़ोतरी के फैसले की कुछ ओर से आलोचना हो रही है। कुछ लोगों ने इसे प्रवासियों के खिलाफ ब्रिटेन का युद्ध करार दिया है।

गूगल मैप ने पहुंचाया मौत के मुंह में

-एर्नाकुलम में दो डॉक्टरों को गूगल मैप ने पहुंचाया मौत के मुंह में

एर्नाकुलम । केरल के एर्नाकुलम जिले में गलत जीपीएस से दिखाए रास्ते ने दो डॉक्टरों को मौत के घाट उतार दिया। नदी में कार गिर जाने से दोनों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों में 29 वर्षीय अद्वैत और 29 वर्षीय अजमल हैं। दोंनों पेशे से दोनों डॉक्टर थे। दुर्घटना के समय दोनों अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ साथ जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि ड्राइवर गूगल मैप्स पर दिखाए गए निर्देशों का पालन करते हुए दुर्घटना वाले क्षेत्र में पहुंच गया। वे कार से कोडुंगल्लूर लौट रहे थे और कथित तौर पर घर जाने के लिए गूगल मैप का पालन कर रहे थे। ड्राइवर नदी को पानी से भरी सड़क समझकर आगे बढ़ गया और उनकी कार पेरियार नदी में गिर गई। अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना के समय भारी बारिश के कारण बहुत कम दृश्यता थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नदी पर निशानदेही के लिए कोई बैरिकेड और साइनबोर्ड नहीं लगे थे। हालांकि, स्थानीय लोग कार में सवार लोगों को बचाने के लिए मौके पर पहुंचे। इसके बाद फौरन अग्निशमन सेवा कर्मियों और पुलिस को सूचना दी गई। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों और बचावकर्मियों ने तीन यात्रियों को जीवित बाहर निकाल लिया। पुलिस ने आगे बताया कि नदी से जिंदा निकाले गए तीनों लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। दोनों मृतक डॉक्टर कोडुंगल्लूर के एआर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के इंमरजेंसी वार्ड में काम करते थे। पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 174 (अप्राकृतिक मौत) के तहत केस दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

उत्तराखंड सरकार ने किया 15 हजार करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, । उत्तराखण्ड सरकार ने बुधवार को ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी जे एस डब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड के साथ 15000 करोड़ रुपए के समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत अल्मोड़ा में 1500 मेगावाट के दो पम्प स्टोरेज विकासित करके शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। यह समझौता मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी में राष्ट्रीय राजधानी में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के रोड शॉ के दौरान किया गया।

दोनों पक्षों के बीच हुए आपसी सहयोग के इस समझौते (एमओयू) से 1000 लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस समझौते से एक बड़ी आबादी को पेयजल की आपूर्ति तथा कृषि के लिए सिंचाई की सुविधा मिलेगी। श्री धामी ने इस मौके पर कहा कि समझौते से राज्य में पंप स्टोरेज प्लांट, सीमेंट, स्पोर्ट्स, ट्रेनिंग सेंटर, पेयजल, कुमाऊं के मंदिरों के पुनरुद्धार की मानसखंड मंदिर माला योजना के सौंदर्यकरण के क्षेत्र में सहयोग मिलेगा। इसके तहत जेएस डब्ल्यू एनर्जी 1500 मेगावाट क्षमता के अल्मोडा में दो स्व-पहचान वाली पंप स्टोरेज परियोजनाएं स्थापित करने की योजना पर कार्य करेगी, जिसे अगले पांच-छह वर्षों में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना में अल्मोडा के जोसकोटे गांव में साइट एक में यह योजना निचला जलाशय कोसी नदी से 8-10 किमी की दूरी पर प्रस्तावित है तथा अल्मोड़ा के कुरचौन गांव में साइट-2 में यह ऊपरी जलाशय कोसी नदी से 16 किमी की दूरी पर प्रस्तावित है। इस योजना से एक बड़ी आबादी को पेयजल की आपूर्ति तथा कृषि के लिए सिंचाई की सुविधा मिलेगी7 इसके साथ ही इस योजना से 1000 लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे7

भाजपा ने बंगाल की आवाज को दबाने में सभी हदें पार की : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया, 'अब केंद्र सरकार बंगाल की आवाज को दबाने के लिए सभी हदें पार कर चुकी है।' सुश्री बनर्जी ने मंगलवार रात सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'आज लोकतंत्र के लिए एक काला, भयावह दिन है, एक ऐसा दिन जब भाजपा ने बंगाल के लोगों के प्रति अपने तिरस्कार, गरीबों के अधिकारों की उपेक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के पूर्ण परित्याग का खुलासा किया।' उन्होंने कहा, 'सबसे पहले, निर्दयतापूर्वक बंगाल के गरीबों के लिए महत्वपूर्ण धनराशि रोक दी और जब हमारा प्रतिनिधिमंडल शांतिपूर्वक विरोध करने और हमारे लोगों की दुर्दशा पर ध्यान आकर्षित करने के लिए दिल्ली पहुंचा, तो उनके साथ पहले राजघाट पर और फिर कृषि भवन में क्रूरता की गई।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'भाजपा की मजबूत भुजा के रूप में कार्य करते हुए दिल्ली पुलिस ने बेशर्मी से हमारे प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार किया, जिन्हें जबरन हटा दिया गया और आम अपराधियों की तरह पुलिस वैन में ले जाया गया, क्योंकि उन्होंने सत्ता के सामने सच बोलने का साहस किया।' सुश्री बनर्जी ने कहा, 'उनके अहंकार की कोई सीमा नहीं है और उनके अभिमान और अहंकार ने उन्हें अंधा कर दिया है।'

संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस के निलंबन पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने लगायी रोक, विपक्ष ने उठाए थे सवाल

नई दिल्ली। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने आज (4 अक्टूबर) उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें अमेठी के संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति मनीष कुमार की खंडपीठ ने कहा कि अस्पताल के खिलाफ जांच जारी रहेगी। पीठ ने राज्य को अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने को भी कहा। ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत के कुछ दिनों बाद 18 सितंबर को अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था। संजय गांधी अस्पताल का संचालन कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाले संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। पार्टी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा उसके सदस्य हैं। संजय गांधी अस्पताल की सभी सेवाओं पर रोक लगाए जाने के खिलाफ 400 से अधिक कर्मचारियों का धरना भी देखने को मिला। राम शाहपुर गांव की रहने वाली 22 वर्षीय दिव्या शुक्ला की मौत की जांच के बाद 17 सितंबर को अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया था और इसके बाह्य रोगी विभाग व आपातकालीन सेवाओं पर रोक लगा दी थी। महिला रोगी को 14 सितंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसके पति ने दावा किया था कि दिव्या के इलाज में लापरवाही की गई जिसकी वजह से अंततः उसकी मौत हो गई। विपक्षी दलों ने दावा किया था कि अमेठी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद स्मृति ईरानी ने अस्पताल बंद कराया है।

कांग्रेस सरकार की शक्ति योजना ने कर्नाटक की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया -राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को सिद्दारमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार की शक्ति योजना की सराहना करते हुए कहा कि इसने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है और 'यह गर्व की बात है कि हमारा शासन मॉडल यह सुनिश्चित कर रहा है कि राज?य की महिलाओं को उनका अधिकार मिले'। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कर्नाटक में लक्ष्मी, वंदना, पूजा और उनके जैसी लाखों महिलाओं को कांग्रेस सरकार की शक्ति योजना द्वारा सशक्त बनाया गया है, जो मुफ्त बस यात्रा प्रदान कर रही है।' उन्होंने कहा कि चाहे उन्हें स्कूल, कॉलेज, काम पर जाना हो या राज्य में कहीं भी यात्रा करनी हो, 'शक्ति योजना ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है और इसके परिणामस्वरूप पर्याप्त बचत हुई है'।

बदलते भू-राजनीतिक माहौल में हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की जरूरत: राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि तेजी से बदलते भू-राजनीतिक माहौल में हमें किसी भी प्रतिकूल स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह तैयार रहने की जरूरत है।

63वें राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) पाठ्यक्रम के संकाय और पाठ्यक्रम सदस्यों ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि आज हमारी सुरक्षा चिंताएं क्षेत्रीय अखंडता के संरक्षण से कहीं आगे तक फैली हुई हैं और इसमें अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, ऊर्जा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा सहित कल्याण के अन्य आयाम भी शामिल हैं। सशस्त्र बलों की भूमिका पारंपरिक सैन्य मामलों से परे भी विस्तारित हुई है। जटिल रक्षा और सुरक्षा परिवेश में भविष्य के संघर्षों के लिए अधिक एकीकृत बहु-राज्य और बहु-एजेंसी दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी। इसलिए एनडीसी पाठ्यक्रम भविष्य के जटिल सुरक्षा माहौल से व्यापक तरीके से निपटने के लिए सैन्य और सिविल सेवा अधिकारियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक वातावरण गतिशील है और कई चुनौतियां खड़ी करता है। तेजी से बदलते भू-राजनीतिक माहौल में हमें किसी भी प्रतिकूल स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने की जरूरत है। राष्ट्रीय एवं वैश्विक मुद्दों की गहरी समझ की आवश्यकता है। हमें न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करना है बल्कि साइबर युद्ध, प्रौद्योगिकी समर्थित आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी नई सुरक्षा चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना है। व्यापक शोध पर आधारित अद्यतन ज्ञान और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को लागू करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज पाठ्यक्रम अपनी तरह का एक अनूठा पाठ्यक्रम है जिसमें शासन, प्रौद्योगिकी, इतिहास और अर्थशास्त्र के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीति के क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एनडीसी में सीखने के समग्र दृष्टिकोण ने चुनौतियों का सामना करने के मामले में पाठ्यक्रम के सदस्यों को समृद्ध किया है।

लैंड फॉर जॉब मामले में लालू को राहत, अब 16 को होगी सुनवाई

नई दिल्ली । लैंड फॉर जॉब मामले में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव को जमानत दे दी है। अब मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी। आपको बता दे कि वर्ष 2004 से 2009 तक केंद्रीय रेल मंत्री थे इसी दौरान उन पर नौकरी के बदले जमीन लेने के आरोप लगे थे। कहा गया था कि रेलवे में नौकरी दिलाने के लिए लालू परिवार ने बेरोजगारों से जमीन ली है। इसी मामले में लालू यादव और अन्य के खिलाफ समन जारी किए गए थे जिसके पालन में लालू सीबीआई की विशेष अदालत में पेश हुए। विशेष सीबीआई न्यायाधीश, न्यायमूर्ति गीतांजलि गोयल ने लालू और अन्य को तब तलब किया था जब सीबीआई ने हाल ही में अदालत को सूचित किया था कि प्रसाद के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सक्षम अधिकारियों से अपेक्षित मंजूरी प्राप्त कर ली गई है। समन जारी करते समय, अदालत ने कहा था कि सबूत प्रथम दृष्टया भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी सहित विभिन्न अपराधों को अंजाम देना दिखाते हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 3 जुलाई को लालू और अन्य के खिलाफ एक नया आरोप पत्र दायर किया। इसमें उल्लेख किया गया कि रेलवे के मानदंडों, दिशानिर्देशों और प्रक्रिया का उल्लंघन करते हुए, मध्य रेलवे में उम्मीदवारों की अनियमित/अवैध नियुक्तियां की गईं।

वायु सेना को मिला पहला 'तेजस ट्विन सीटर' एयरक्राफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना को अपना पहला 2 सीटर लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट 'तेजस ट्विन सीटर' मिल गया है। बुधवार को यह विमान आधिकारिक तौर पर भारतीय वायु सेना को सौंपा गया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल ने बुधवार को वायु सेना को पहला तेजस ट्विन सीटर ट्रेनर विमान सौंपा हैं।

तेजस ट्विन सीटर ट्रेनर विमान एक हल्का विमान है। इसकी एक बड़ी खासियत यह भी है कि यह विमान किसी भी मौसम में उड़ान भर सकता है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को कुल 18 ट्विन सीटर विमान का ऑर्डर दिया गया था। भारतीय वायु सेना द्वारा दिए गए इस आर्डर में से 8 विमान अगले साल तक दे दिए जाने हैं। शेष 10 विमानों को 2026-27 तक इंडियन एयर फोर्स के सुपुर्द किया जाएगा।

गौरतलब है कि भारतीय सेना के पास एलसीए तेजस का एडवांस्ड वर्जन मार्क-1 ए विमान पहले से ही है। एयर फोर्स के पास उपलब्ध यह विमान एक फाइटर जेट है जो 2205 किमी प्रति घंटे की स्पीड से हवा में उड़ता है। यही नहीं एयर फोर्स का यह फाइटर जेट 6 तरह की मिसाइलों को ले जाने में भी सक्षम है। भारतीय वायुसेना ने 123 तेजस फाइटर जेट मांगे थे, जिसमें से 31 मिल चुके हैं। ये सभी तेजस मार्क -1 हैं।

जबकि बुधवार को एयरफोर्स को सौंपा गया, तेजस टू-सीटर ट्रेनिंग विमान है। हालांकि ट्रेनिंग विमान होने के बावजूद आपातकालीन स्थिति में इसे बतौर फाइटर जेट भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे पहले मंगलवार को एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने बताया कि वायुसेना 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस मार्क 1ए खरीदने की अपनी योजना पर आगे बढ़ रही है। इसके अलावा एयर चीफ मार्शल चौधरी ने यह भी बताया कि भारतीय वायुसेना को रूस से एस-400 मिसाइल सिस्टम की तीन यूनिट मिलीं। वायुसेना को अगले साल तक मिसाइल सिस्टम की शेष दो और यूनिट मिलने की उम्मीद है। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने यह भी कहा कि भारतीय वायु सेना अगले सात-आठ वर्षों में 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपये के सैन्य प्लेटफॉर्म, उपकरण और हार्डवेयर को शामिल करने पर विचार कर रही है। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि अनिश्चित जियोपोलिटिकल स्थिति ने एक मजबूत सेना की आवश्यकता को मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना क्षेत्र में भारत की सैन्य ताकत को प्रदर्शित करने का आधार बनी रहेगी। अग्निपथ योजना के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए वायुसेना ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। थिएटराइजेशन योजना पर उन्होंने कहा कि इस पर काम चल रहा है।

आखिर मणिपुर की सुध क्यों नहीं ले रही है मोदी सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने कहा है कि मणिपुर में हिंसा के कारण हालत पांच महीने में बदतर हो चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हालात पर चुप्पी साधकर राज्य के लोगों को उनके हाल पर छोड़कर उनके साथ न्याय नहीं किया जा रहा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने कहा, पांच महीने पहले, तीन मई की शाम को, तथाकथित डबल इंजन सरकार की विभाजनकारी राजनीति के कारण मणिपुर में हिंसा भड़की थी। लगभग एक महीने के बाद, कर्नाटक चुनाव में अपनी जिम्मेदारियों को निभाकर और अन्य जरूरी कार्यों से मुक्त होकर, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य का दौरा करना उचित समझा लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। वास्तव में हालात और ख़राब हो गए। सामाजिक सद्भाव पूरी तरह से बिगड़ चुका है। हर दूसरे दिन हिंसक अपराधों की भयावह खबरें सामने आ रही हैं। हजारों लोग अब भी राहत शिविरों में फंसे हुए हैं। सशस्त्र बलों और राज्य पुलिस के बीच झड़प आम बात हो गई है।

उन्होंने कहा, फिर भी पीएम मोदी इस मामले पर पूरी तरह से चुप हैं। राज्य में हालात बिगड़ने के काफी दिनों बाद उन्होंने सिर्फ दिखावे के लिए 10 अगस्त को लोकसभा में अपने 133 मिनट के भाषण में पांच मिनट से भी कम समय के लिए राज्य पर एक टिप्पणी करके औपचारिकता निभा दी। भारतीय जनता पार्टी के अधिकांश विधायक मुख्यमंत्री को पद से हटाना चाहते हैं, इसके बावजूद मुख्यमंत्री बेशर्मी से अपने पद पर बने हुए हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने मणिपुर को लेकर पीएम मोदी से सवाल कर कहा, आखिरी बार प्रधानमंत्री ने मणिपुर का दौरा कब किया था। आखिरी बार प्रधानमंत्री ने मणिपुर के भाजपा मुख्यमंत्री से कब बात की थी। आखिरी बार प्रधानमंत्री ने मणिपुर के भाजपा विधायकों से कब मुलाकात की थी। आखिरी बार कब प्रधानमंत्री ने राज्य के अपने कैबिनेट सहयोगी के साथ मणिपुर पर चर्चा की थी। इससे पहले कोई भी प्रधानमंत्री इस तरह किसी राज्य और उसके सभी लोगों को पूरी तरह से उनके हाल पर नहीं छोड़ा है, जैसा कि अब किया जा रहा है।

सहयोग न करने पर किसी व्यक्ति को नहीं कर सकते गिरफ्तार, ईडी को सुप्रीम कोर्ट ने दिया सख्त निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत जारी समन के जवाब में असहयोग करने के लिए किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं कर सकता है। न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने 32 पेज के विस्तृत फैसले में कहा कि 2002 के अधिनियम की धारा 50 के तहत जारी समन के जवाब में एक गवाह का असहयोग उसे दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया जा सकता है। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि ईडी की हर कार्रवाई पारदर्शी, बोर्ड से परे और कार्रवाई में निष्पक्षता के प्राचीन मानकों के अनुरूप होने की उम्मीद है और एजेंसी से अपने आचरण में प्रतिशोधी होने की उम्मीद नहीं है।

2002 के कड़े अधिनियम के तहत दूरगामी शक्तियों से संपन्न ईडी को अत्यंत ईमानदारी, निष्पक्षता और निष्पक्षता के साथ कार्य करते हुए देखा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मौजूदा मामले में तथ्य दर्शाते हैं कि ईडी अपने कार्यों का निर्वहन करने में विफल रही है और इन मापदंडों के भीतर अपनी शक्तियों का प्रयोग करें। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश तब आया जब उसने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रियल्टी समूह एम3एम के निदेशकों बसंत बंसल और पंकज बंसल को जमानत दे दी।

पीठ ने मामले को आगे बढ़ाने में ईडी के आचरण पर चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से अपीलकर्ताओं द्वारा पहले ईसीआईआर से संबंधित अंतरिम सुरक्षा प्राप्त करने के तुरंत बाद दूसरा ईसीआईआर दर्ज करना, इसे शक्ति का मनमाना प्रयोग बताया। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 22(1) का हवाला दिया, जो गिरफ्तार व्यक्ति को बिना किसी देरी के गिरफ्तारी के आधार के बारे में सूचित करने के अधिकार की गारंटी देता है। इसमें जोर देकर कहा गया कि इस मौलिक अधिकार का अपने इच्छित उद्देश्य की पूर्ति के लिए सार्थक ढंग से प्रयोग किया जाना चाहिए।

भाजपा की गारंटी लोगों का उत्पीड़न, सिर्फ उल्टा-सीधा बोलते हैं पीएम: मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 'भरोसे का सम्मेलन' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम ओबीसी जनगणना चाहते हैं, क्योंकि इससे वह जानकारी मिलेगी, जिसके आधार पर कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किये जा सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा की गारंटी है लोगों का उत्पीड़न करना, कांग्रेस की गारंटी है रोजगार सृजन और किसानों के लिए समर्थन मूल्य में वृद्धि करना है। उन्होंने कहा कि अगर आपने गुजरात मॉडल स्वीकार किया तो परेशानी का सामना करेंगे, अगर आप छत्तीसगढ़ मॉडल अपनाएंगे तो सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने लोगों से कहा कि हमारे चार मुख्यमंत्री हैं और उनमें से तीन पिछड़े समुदाय से हैं। जब आपकी (भाजपा) बात आती है तो दूरी इतनी अधिक हो जाती है कि न तो मुख्यमंत्री और न ही कैबिनेट मंत्री पिछड़ों से बात करते हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश में जब सबको मतदान का हक मिला वह पंडित जवाहर लाल नेहरू और डॉ. अंबेडकर की वजह से मिला। आज़ादी मिलने के बाद सभी 21 वर्ष के पुरूष-महिला को मतदान का अधिकार मिला जबकि अन्य देशों में आज़ादी मिलने के कई वर्षों के बाद लोगों को मतदान का अधिकार मिला। क्या उस समय मोदी जी थे? या अमित शाह थे? हमने सब कुछ करके दिया। उन्होंने कहा कि अगर हम इस लोकतंत्र-संविधान को नहीं बचाते तो मोदी-शाह जैसे लोग प्रधानमंत्री और गृह मंत्री नहीं बन सकते थे, यह हमारी देन है, हमारा गिफ्ट है इसलिए हमारा शुक्रिया अदा करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उन्हें दूर से दर्शन देते हैं... नज़दीक जाना बड़ा मुश्किल है। हमारे नेता, राहुल गांधी तो लोगों के साथ मिल रहे हैं... हमारे नेता जनता के नज़दीक है, वे दूरदर्शन नहीं देते हैं।

खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार में मुख्यमंत्रियों और राज्य सरकारों को धमकी दी जाती है- अगर हमारी बात नहीं सुनी तो आपके पीछे ईडी, आईटी, सीबीआई लगाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर ईडी, आईटी, सीबीआई से ही सरकार चलानी है तो फिर आपकी क्या जरूरत है, आप घर बैठिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में लोगों की आमदनी 38प्र. बढ़ी है। पीएम मोदी को इसकी प्रशंसा करनी चाहिए, लेकिन वह सिर्फ उल्टा-सीधा बोलते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ आकर जल, जंगल, जमीन के बारे में कोई बात नहीं की। सिर्फ छत्तीसगढ़ सरकार को बदनाम करने की कोशिश की। लेकिन कांग्रेस सरकार हमेशा गरीबों की मदद करती है। छत्तीसगढ़ में 5 साल में 1 लाख 75 हजार करोड़ रुपए डायरेक्ट बेनिफिट द्वारा लाभार्थियों को मिले हैं। 5 साल में 40 लाख लोग गरीबी से ऊपर उठे हैं। पीएम मोदी को ये सहन नहीं होता, वे सिर्फ कांग्रेस सरकार को गिराने में लगे रहते हैं।

केजरीवाल के इशारे पर सीएम आवास पर बैठकर वसूली करते हैं संजय सिंह : गौरव भाटिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह के आवास पर जांच एजेंसी ईडी के छापे पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आवास को घोटाले और वसूली का अड्डा बना दिया है जहां बैठकर उनके इशारे पर उनकी पार्टी के सांसद संजय सिंह वसूली करते हैं।

गौरव भाटिया ने भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए दावा किया कि शराब घोटाले के एक आरोपी दिनेश अरोड़ा ने यह कबूल किया है कि सीएम आवास पर केजरीवाल के इशारे पर संजय सिंह ने आम आदमी पार्टी के कोष में 32 लाख रुपये देने को कहा। उन्होंने कहा कि यह 32 लाख रुपये की रिश्वत चेक से ली गई है तो करोडों रुपये का लेन-देन कैश में भी हुआ होगा। भाटिया ने केजरीवाल को चुनौती देते हुए कहा कि वह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह बताएं कि यह 32 लाख रुपये लिया था या नहीं। उन्होंने अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के शराब घोटाले का किंगपिन बताते हुए कहा कि वह अपने जिस दाहिने हाथ मनीष सिसोदिया को कट्टर ईमानदार बताते थे, वह साढ़े 7 महीनों से जेल में हैं और अदालत से सिसोदिया को जमानत तक नहीं मिल पा रही है और अब दूसरे हाथ संजय सिंह के घर भी जांच एजेंसी की रेड हो गई है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का दायां और बायां दोनों हाथ भ्रष्टाचार में लिप्त है लेकिन यह दस सर वाला रावण कौन है? यह केजरीवाल की सोच है जो अपने मंत्रियों और सांसदों से भ्रष्टाचार कर अपनी तिजोरी भरने को कहती है। उन्होंने कहा कि कानून अपना काम कर रहा है, इसलिए यह स्पष्ट है कि जांच एजेंसियों के पास ठोस सबूत है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में उधना की लक्ष्मीनारायण इंडस्ट्रियल सोसायटी में तीन अवैध ढांचे गिराए गए.

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के उधना जोन-ए में लक्ष्मीनारायण औद्योगिक एस्टेट में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण की शिकायत के बाद उधना जोन ए द्वारा कार्रवाई की गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सूरत नगर पालिका के उधना जोन में उधना मेन रोड पर बीआरसी के पास इलाके में लक्ष्मीनारायण सोसायटी आई है। सोसायटी में संपत्ति मालिकों ने नक्शा स्वीकृत कराने के बाद अतिरिक्तअवैध निर्माण कर लिया था। इस संबंध में उधना जोन-ए की ओर से अवैध निर्माण हटाने का नोटिस दिया गया था।
हालांकि नगर निगम के नोटिस के बाद भी मालिकों ने अवैध निर्माण जारी रखा। इसके चलते सुबह से लेकर दोपहर जोन तक तोड़फोड़ का काम शुरूकिया गया।
उधना जोन में आवास नं. 151 में से, भेदवाड, रेस.नं.1, डिंडोली, रेस.नं. 346 से 349 में से, सब प्लॉट नंबर बी के प्लॉट नंबर I 114 से 118 तक, लगभग 2400 वर्ग फीट आरसी के उधना जोन के माध्यम से स्वीकृत लेआउट प्लान के खिलाफ निर्माण निगम के नोटिस के बाद भी मालिक ने निर्माण जारी रखा। .सी.स्लैब निर्माण हटा दिया गया। साढ़े चार लाख रुपये का प्रशासनिक खर्च, तीस हजार रुपये का निर्माण अपशिष्ट शुल्क और बीस हजार रुपये की जमा राशि, कुल पांच लाख रुपये मालिकों से वसूले गए।
इसके अलावा सोसायटी में रेस.नं. 151 में से, भेदवाड, रेस.नं.1, डिंडोली, रेस.नं. 346 से 349 में से सब प्लॉट नंबर बी में से प्लॉट नंबर 1 से 4 तक की संपत्ति में मालिकों ने नक्शे के विपरीत दो हजार वर्ग फीट का अवैध निर्माण कर लिया है। नगर पालिका के नोटिस के बाद भी निर्माण जारी रहा, नगर पालिका ने दो हजार वर्गफीट का निर्माण हटवाया और मालिकों से साढ़े चार लाख रुपये प्रशासनिक व्यय, निर्माण अपशिष्ट शुल्क तीस हजार और जमा राशि बीस हजार रुपये वसूले। पांच लाख रुपये. लक्ष्मीनारायण सोसायटी में ही रेस नं. 151 में से, भेड़वाड, रेस.नं.1, डिंडोली, रेस.नं. 346 से 349 के बीच, सब प्लॉट नंबर बी के बीच प्लॉट नं. जी 128 से 133 तक की संपत्ति में स्वीकृत योजना के विपरीत तीसरी मंजिल पर बनाए गए सेंटरिंग-शटरिंग सहित 12 कॉलम स्ट्रक्चर को हटाकर मालिक से 70,000 प्रशासन शुल्क, 20,000 निर्माण अपशिष्ट शुल्क और 10,000 जमा राशि वसूल की गई।
अवैध निर्माण हटाकर अवैध निर्माण करने वाले तीन संपत्ति मालिकों से 11 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया।

रिंग रोड पर एसीबी ने एक पुलिसकर्मी को मजदूर बनकर टेम्पो चालक से 1 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

ट्रैफिक पुलिस और टीआरबी रिंग रोड कमेला दरवाजा के पास टेंपा चालकों को रोक रहे थे और वाहन चालकों से एसीबी को 100 रुपये से लेकर 3,000 रुपये तक की वसूली कर रहे थे। इसलिए एसीबी स्टाफ ने बुधवार की सुबह कमेला दरवाजा के पास एक डिकॉय लगाया और एलआरडी भावेश देसाई को 1 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया।
टाम्पा में एसीबी का एक कर्मचारी गले में फंदा डालकर मजदूर बन गया। रिंग रोड कमेला दरवाजा ट्रैफिक पुलिस चौकी के पास पुलिसकर्मी भावेश देसाई ने टेंपो रोका। पुलिसकर्मी ने ड्राइवर से लाइसेंस, पीयूसी और आरसी बुक की मांग की. लाइसेंस के अलावा कोई पीयूसी और आरसी बुक नहीं थी।
पार्सल ताम्पा में पैक किए गए थे। भ्रष्ट कर्मी ने ड्राइवर से 4500 रुपये जुर्माने की रसीद फाड़ने की बात कही. रसीद न देनी पड़े इसके लिए भ्रष्ट कर्मचारी ने 1 हजार की मांग की. 1 हजार की रिश्वत राशि लेने के साथ ही एसीबी ने ट्रैफिक पुलिस के रीजन-2 के सर्कल-4 में कार्यरत रिश्वतखोर एलआरडी भावेश खेंगार देसाई (निवासी, शिवपार्क सूसा, गोडादरा) को पकड़ लिया.

एसीबी के कर्मचारियों ने अपने गले में गमछा डाल लिया था और आसपास के इलाके में खुद को व्यवस्थित कर लिया था. जैसे ही एसीबी स्टाफ ने भ्रष्ट पुलिसकर्मी की पहचान की, उनके पसीने छूट गए. उसने दोनों हाथ जोड़कर साहब से कहा कि जाने दीजिए, जाने दीजिए।

रिश्वत की रकम में कुछ का हिस्सा था! जब एसीबी ने रिंग रोड कमेला गेट के पास जाल बिछाया तो एच.सी.ओ. ड्यूटी पर हेमन्त भीखा भी मौजूद थे. लेकिन एसीबी स्टाफ का कहना है कि वह किनारे बैठा हुआ है. जब भ्रष्ट एलआरडी ने टेम्पोचलक से 1000 की रकम की मांग की तो यह जांच का विषय है कि इस रकम का हिस्सा किसके पास था. परदे के पीछे यातायात शाखा का संचालन करने वाले एलआर भावेश देसाई महरूर हैं। शेष क्षेत्र-2 में पुलिस मुख्यालय के एक से दो पुलिसकर्मियों पर पर्दे के पीछे से प्रशासन चलाने का संदेह है. जबकि निजी व्यक्तियों में आशंका है कि अजय, सलीम, मोंटू, पप्पू और दिनेश पुलिस के नाम पर टाम्पावाला से लाखों की उगाही कर रहे हैं। एसीबी अधिकारी मामले की गहराई से जांच करें तो कई नाम सामने आ सकते हैं.

एसएमसी उधना जोन-बी (सचिन-कनकपुर)का अचानक स्थानांतरण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत नगर निगम में सिविल इंजीनियर के ३ पदों पर भर्ती के बाद पोस्टिंग लंबित है। नगर आयुक्त ने एक नए कार्यकारी अभियंता की नियुक्ति करते हुए अचानक स्थानांतरण

का आदेश देने का निर्णय लिया। वहीं उधना जोन-बी के कार्यकारी अभियंता और प्रमुख का एक साथ तबादला कर दिया गया. इस तबादले में उधना जोन-बी (सचिन-कनकपुर) के जोनल प्रमुख हर्षद किंखाबवाला को नवनियुक्त उपायुक्त मीना गज्जर के साथ चुनाव एवं जनगणना विभाग का प्रभार सौंपा गया। कार्यकारी अभियंता राजेश जरीवाला का तबादला ट्रैफिक सेल एवं बीआरटीएस में कर दिया गया। उनके स्थान पर नये कार्यपालक अभियंता परेश पटेल की नियुक्ति की गयी. ब्रिज सेल के प्रभारी कार्यपालन अभियंता उमंग नायक को सिटी इंजीनियर स्पेशल सेल के पद पर पदस्थ किया गया है, जबकि जयांग जीवनरामजीवाला को ब्रिज सेल में प्रभार दिया गया है।
चूंकि यह परिवर्तन एक साथ हुआ है, इसलिए गैर-अधिकुट निर्माण लोगों के बीच सन्नाटो का प्रसार हुआ है। कि अब कुछ नया होगा.

पांडेसरा में कबाड़ी की दुकान के बाहर सिलेंडर गैस लीक 7 अस्पताल घायल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पांडेसरा में एक कबाड़ी की दुकान के बाहर गैस सिलेंडर तोड़ते समय क्लोरीन गैस लीक होने से एक ही परिवार के छह सदस्यों समेत सात की मौत हो गई। परिवार के सभी सदस्यों को तुरंत 108 से इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां सभी का स्वास्थ्य फिलहाल स्थिर बताया जा रहा है.
राहुल आलम देव पांडेसरा वडोडगाम तिरुपति सर्कल के पास गोपाल नगर में स्क्रैप की दुकान चलाते हैं। बुधवार को जब राहुल दुकान के बाहर स्क्रैप गैस सिलेंडर तोड़ रहा था, तभी अचानक सिलेंडर का नोजल टूट गया और गैस रिसाव हो गया। तो राहुल सिलेंडर छोड़कर दुकान में भाग गया। सिलेंडर से क्लोरीन गैस के रिसाव से अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर रहने वाले और खाना खा रहे एक साल के बच्चे सहित निषाद परिवार के छह सदस्यों का दम घुट गया। इसलिए सभी को 108 एंबुलेंस से तुरंत इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां परिवार के चार सदस्यों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है. जबकि दो को सामान्य प्रभाव के चलते इलाज कर छुट्टी दे दी गई।
सिलेंडर तोड़ने के दौरान राहुल भी गैस की चपेट में आ गया, जिसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची और एक घंटे तक क्लोरीन सिलेंडर पर पानी चलाकर गैस निकाली। घटना की सूचना मिलने पर पांडेसरा पुलिस भी अस्पताल पहुंची और कार्रवाई कर जांच शुरू कर दी। अग्निशमन अधिकारी हितेश पाटिल ने बताया कि क्लोरीन गैस से भरे सिलेंडर से गैस लीक होने से परिवार प्रभावित हुआ है. क्लोरीन को पतला करने के लिए सिलेंडर को एक घंटे तक पानी से फ्लश करके सिलेंडर को खाली कर दिया गया।
घायलों को न्यू सिविल में भर्ती कराने के बाद फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची और एक घंटे तक क्लोरीन सिलेंडर पर पानी चलाकर गैस छोड़ी। घटना की सूचना मिलने पर पांडेसरा पुलिस भी अस्पताल पहुंची और कार्रवाई कर जांच शुरूकर दी। अग्निशमन अधिकारी हितेश पाटिल ने बताया कि क्लोरीन गैस से भरे सिलेंडर से गैस लीक होने से परिवार प्रभावित हुआ है. क्लोरीन को पतला करने के लिए सिलेंडर को एक घंटे तक पानी से फ्लश करके सिलेंडर को खाली कर दिया गया।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे